काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
हिन्दी विभाग

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

AN INSTITUTION OF NATIONAL IMPORTANCE ESTABLISHED BY AN ACT OF PARLIAMENT

नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित
04 वर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	:	प्रवेश संख्या
MAJOR	:	**144**
MINOR	:	**180**
MD	:	**180**
AEC	:	**120**
VOC	:	
SEC	:	120

National Education Policy 2020:
Four-year Undergraduate Programme (FYUGP)
MAJOR PAPERS

Sl. No.	Paper Code	Name of the Paper	Credits
SEMESTER I (U.G. CERTIFICATE)			
1.	HINMJ 101	भक्तिकाव्य	04 Credits
SEMESTER II			
2.	HINMJ 201	हिन्दी कहानी	04 Credits
SEMESTER III (U.G. DIPLOMA)			
3.	HINMJ 301	रीतिकाव्य	04 Credits
4.	HINMJ 302	कथेतर हिन्दी साहित्य	04 Credits
SEMESTER IV			
5.	HINMJ 401	आधुनिक हिन्दी कविता – 01	04 Credits
6.	HINMJ 402	हिन्दी निबंध	04 Credits
7.	HINMJ 403	समीक्षा	04 Credits
8.	HINMJ 404	हिन्दी उपन्यास	02 Credits
SEMESTER V (U.G. DEGREE 03 YEARS)			
9.	HINMJ 501	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	04 Credits
10.	HINMJ 502	आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	04 Credits
11.	HINMJ 503	भारतीय काव्यशास्त्र	04 Credits
12.	HINMJ 504	हिन्दी नवगीत एवं गज़ल	02 Credits
SEMESTER VI			
13.	HINMJ 601	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	04 Credits
14.	HINMJ 602	सगुण भक्तिकाव्य	04 Credits
15.	HINMJ 603	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04 Credits
16.	HINMJ 604	कथा साहित्य	04 Credits
SEMESTER VII (UG HONOURS)			
17.	HINMJ 701	आधुनिक हिन्दी कविता – 02	04 Credits
18.	HINMJ 702	भाषा विज्ञान	04 Credits
19.	HINMJ 703	नाटक एवं रंगमंच	04 Credits
20.	HINMJ 704	शोध प्रविधि	04 Credits

SEMESTER VIII (UG HONOURS)

21.	HINMJ 801-A	भारतीय साहित्य	04 Credits
	HINMJ 801-B	विश्व साहित्य	04 Credits
	HINMJ 801-C	लोक साहित्य	04 Credits
22.	HINMJ 802-A	अस्मितामूलक साहित्य (दलित विमर्श)	04 Credits
	HINMJ 802-B	अस्मितामूलक साहित्य (स्त्री विमर्श)	04 Credits
	HINMJ 802-C	अस्मितामूलक साहित्य (आदिवासी विमर्श)	04 Credits
	HINMJ 802-D	अस्मितामूलक साहित्य (थर्ड जेंडर विमर्श)	04 Credits
23.	HINMJ 803-A	अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग	04 Credits
	HINMJ 803-B	प्रयोजनमूलक हिन्दी	04 Credits
	HINMJ 803-C	आधुनिक हिन्दी साहित्य का वैचारिक आधार	04 Credits
	HINMJ 803-D	पर्यावरण और साहित्य	04 Credits
24.	HINMJ 804-A	विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (संस्कृत)	04 Credits
	HINMJ 804-B	विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (पालि)	04 Credits
	HINMJ 804-C	विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (अपभ्रंश)	04 Credits
	HINMJ 804-D	विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (उर्दू)	04 Credits

SEMESTER VIII (U.G. RESEARCH)

25.	HINMJ 805	लघु शोध प्रबंध	04 Credits

***

National Education Policy 2020:
Four-year Undergraduate Programme (FYUGP)

MINOR PAPERS

Sl. No.	Paper Code	Name of the Paper	Credits
SEMESTER I (U.G. CERTIFICATE)			
1.	HINMR 101	भक्तिकाव्य	04 Credits
SEMESTER II			
2.	HINMR 201	हिन्दी कहानी	04 Credits
SEMESTER III (U.G. DIPLOMA)			
3.	HINMR 301	कथेतर हिन्दी साहित्य	04 Credits
SEMESTER IV			
4.	HINMR 401	आधुनिक हिन्दी कविता	04 Credits
SEMESTER V (U.G. DEGREE 03 YEARS)			
5.	HINMR 501	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	04 Credits
SEMESTER VI			
6.	HINMR 601	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	04 Credits
SEMESTER VII (UG HONOURS)			
7.	HINMR 701	नाटक एवं रंगमंच	04 Credits
SEMESTER VIII (UG HONOURS)			
8.	HINMR 801	अस्मितामूलक साहित्य	04 Credits
9.	HINMR 802	साहित्यिक शोध	04 Credits

***

National Education Policy 2020:
Four-year Undergraduate Programme (FYUGP)

Multidisciplinary (MD) Foundation Course

Sl. No.	Paper Code	Name of the Paper	Credits
SEMESTER I			
1.	HINMD-101	साहित्य एवं सिनेमा	03 Credits
2.	HINMD-102	भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं हिन्दी साहित्य	03 Credits
3.	HINMD-103	भारतीय लोकतंत्र एवं हिन्दी साहित्य	03 Credits
SEMESTER II			
4.	HINMD-201	साहित्य, मिथक एवं इतिहास	03 Credits
5	HINMD-202	स्त्री जीवन एवं साहित्य	03 Credits
6	HINMD-203	आदिवासी जीवन एवं साहित्य	03 Credits
SEMESTER III			
7.	HINMD-301	सर्जनात्मक लेखन	03 Credits
8.	HINMD-302	हिन्दी भाषा एवं अनुप्रयोग	03 Credits
9.	HINMD-303	लोक साहित्य	03 Credits
SEMESTER IV			
10.	HINMD-401	अनुवाद: विविध आयाम	03 Credits
11.	HINMD-402	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	03 Credits
12.	HINMD-403	कार्यालयी हिन्दी	03 Credits

National Education Policy 2020:
Four-year Undergraduate Programme (FYUGP)
Ability Enhancement Course (AEC) MIL & English Language

SEMESTER I

1.	AAEC-101	पाठ एवं सम्प्रेषण : कविता	02 Credits

SEMESTER II

1.	AAEC-201	पाठ एवं सम्प्रेषण : कहानी	02 Credits

SEMESTER III

1.	AAEC-301	पाठ एवं सम्प्रेषण : नाटक	02 Credits

SEMESTER IV

1.	AAEC-401	पाठ एवं सम्प्रेषण : भाषण कला	02 Credits

National Education Policy 2020:
Four-year Undergraduate Programme (FYUGP)

Skill Enhancement Course (SEC) MIL & English Language

SEMESTER I

1.	ASEC-101	भाषा कौशल	03 Credits

SEMESTER II

1.	ASEC-201	हिन्दी भाषा और विज्ञापन	03 Credits

SEMESTER III

1.	ASEC-301	व्यावहारिक हिन्दी	03 Credits

***

Major Papers

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**भक्तिकाव्य (HINMJ 101)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी का भक्ति काव्य पूर्ववर्ती काव्य परम्परा से प्रेरणा ग्रहण करता है और परवर्ती काव्य परम्परा पर भी इसका गहरा प्रभाव है। इस दृष्टि से भक्तिकाव्य का अध्ययन समूची हिन्दी काव्य परम्परा का स्पष्ट परिप्रेक्ष्य निर्मित करता है। इस प्रश्न पत्र में हम हिन्दी भक्तिकाव्य के विभिन्न स्वरूपों से परिचित हो सकेंगे और निर्गुण तथा सगुण भक्तिकाव्य के दार्शनिक तथा सामाजिक आधारों को भी समझ सकेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**कबीरदास** पाठ्य-पुस्तक 'कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी' से निम्नलिखित पद मोकों कहां ढूंढे बंदे मैं तो तेरे पास में, हंसा करो पुरातन बात, मन मस्त हुआ तब क्यों बोले, मन ना रंगाए रंगाए जोगी कपड़ा, माया महा ठगिनि हम जानी, साधो एक रूप सब मांहीं	15
II.	**सूरदास** पाठ्य-पुस्तक 'सूरसागरसार – संपादक धीरेन्द्र वर्मा' से निम्नलिखित पद अबिगत गति कछु कहत न आवै, हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ, मेरो मन अनत कहां सुख पावै, जसोदा हरि पालनै झुलावै, आजु मैं गाइ चरावन जैंहौं, बूझत स्याम कौन तुम गोरी	15
III.	**तुलसीदास** पाठ्य-पुस्तक 'रामचरितमानस – गीताप्रेस, गोरखपुर' से निम्नलिखित अंश अरण्यकांड से दोहा संख्या 34 से 36 (नवधा भक्ति प्रसंग)	15
IV.	**मीरा** पाठ्य-पुस्तक 'मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी' से निम्नलिखित अंश राणाजी म्हाने या बदनामी लगे मीठी, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, मीरां मगन भई हरि के गुण गाय, हेरी म्हा दरद दिवाणां म्हारां दरद न जाण्यां कोय, सखी म्हारी नींद नसाणी हो, मैं गिरधर के घर जाऊं	15

Texts / References

1. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मध्यकालीन काव्य साधना – वासुदेव सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
4. कबीर: पद पच्चीसी – भाष्यकार-वासुदेव सिंह, कला मंदिर, दिल्ली
5. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
6. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
7. अयोध्या कांड भाष्य – वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद
8. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
10. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित, ज्ञान मंडल, वाराणसी
11. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

	12. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन 13. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय – पुरूषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 14. भक्ति का संदर्भ – देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 15. भक्ति आंदोलन और काव्य – गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 16. तुलसी के हिय हेरि – विष्णुकान्त शास्त्री, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 17. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास – रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 18. सन्त कबीर – रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 19. मीराबाई की पदावली – परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 20. मीरा की प्रेमसाधना – भुवनेश्वरनाथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 21. भक्ति का विकास – मुंशीराम शर्मा, चौखंभा विद्या भवन, वाराणसी 22. महाकवि सूरदास – नन्ददुलारे वाजपेयी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 23. तुलसीदास का काव्य-विवेक और मर्यादाबोध – कमलानंद झा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 24. कबीर बीजक का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – शुकदेव सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी 25. कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 26. पंचरंग चोला पहिर सखी री – माधव हाडा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी: 1. हिन्दी की भक्ति कविता की सामान्य विशेषताओं का परिचय पाएंगे 2. भक्ति कविता की भाषा और शिल्प की विशेषताओं का परिचय पाएंगे

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी कहानी (HINMJ 201)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी की गद्य विधाओं में कहानी अपने विधागत गुणों के चलते सर्वाधिक लोकप्रिय रही है। इस पाठ्यक्रम में हम हिंदी कहानी के प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर दौर और नई कहानी के दौर की कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और उसकी विकसित प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। यहाँ बीसवीं सदी की कहानी के उपर्युक्त काल खंडों की बारह कहानियों के माध्यम से उनकी व्याख्यात्मक और समीक्षात्मक समझ विकसित करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**हिंदी कहानी का सामान्य परिचय** ● विधा के रूप में कहानी की अवधारणा ● कहानी समीक्षा की पारिभाषिक शब्दावली ● हिंदी कहानी की परंपरा: प्रमुख प्रवृत्तियाँ	15
II.	**उसने कहा था (चंद्रधरशर्मा 'गुलेरी')** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **पुरस्कार (जयशंकरप्रसाद)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **कहानी का प्लाट (शिवपूजन सहाय)** ● पितृसत्तात्मक संरचना और स्त्री सरोकार ● नारी जागरण की प्रतिध्वनि ● कथानक में नवाचार और शिल्पगत महत्ता **सद्गति (प्रेमचंद)** ● कथावस्तु और सामाजिक यथार्थ ● कहानी में दलित सरोकार ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य	15

III.	**परदा (यशपाल)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी में सामाजिक यथार्थ ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **जाह्नवी (जैनेंद्र)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **रोज (अज्ञेय)** ● मध्यवर्गीय नारी जीवन और परिवार ● कवि-दृष्टि का प्रभाव ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **मुगलों ने सल्तनत बख़्श दी (भगवतीचरण वर्मा)** ● इतिहास-बोध और कहानी ● कथानक में व्यंग्य की अंतर्धारा ● कला का वैशिष्ट्य	15
IV.	**रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **डिप्टी कलक्टरी (अमरकांत)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **मलबे का मालिक (मोहन राकेश)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **यही सच है (मन्नू भंडारी)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य	15

Texts / References	1. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश – मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 3. कहानी: नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 4. आधुनिक हिन्दी कहानी – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 5. हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चैधरी , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 6. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 7. हिन्दी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी यह जानेंगे कि विधा के रूप में हिंदी कहानी अवधारणा, विकास और प्रवृत्तियों से परिचित हांगे। साथ ही कहानी की समीक्षा के लिए विकसित परिभाषिक शब्दावली द्वारा हिंदी की दस प्रतिनिधि कहानियों की समीक्षा करना सीखेंगे। यह भी जानेंगे कि कहानी का इतिहास, समय और समाज से गहरा संबंध है। प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से कहानी के विधागत महत्त्व को जान सकेंगें।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**रीतिकाव्य (HINMJ 301)**
Category of Course	Major
Course Objectives	रीतिकाव्य अनेक दृष्टियों से परवर्ती हिंदी कविता का अनिवार्य संदर्भ है। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत हम रीतिकालीन प्रमुख कवियों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
पाठ्य पुस्तक – रीतिकाव्य धारा, संपादक- रामचन्द्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी		
I.	**केशवदास एवं बिहारी** ● केशव - वनमार्ग में राम (37 से 51 तक) ● बिहारी - 1, 6, 10, 13, 21, 22, 24, 33, 35, 36, 38, 43, 53, 54, 61, 63, 72, 73, 75, 76	15
II.	**मतिराम एवं भूषण** ● मतिराम - 2, 6, 8, 21, 27 ● भूषण - 9, 11, 12, 14, 2	15
III.	**सेनापति एवं देव** ● सेनापति - 1, 4, 5, 7, 10 ● देव - 5, 6, 11, 15, 23	15
IV.	**घनानन्द एवं पद्माकर** ● घनानन्द - 1, 3, 6, 9, 10, 11, 19, 23 ● पद्माकर - 10, 12, 13, 14, 17	15

Texts / References

1. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल: रीतिकाल- महेन्द्र कुमार, आर्या बुक डिपो, नई दिल्ली
2. रीतिकाव्य की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-2)- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
4. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती इलाहाबाद
5. घनानन्द और स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा- मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6. सनेह को मारग- इमरै बंघा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2013 ,
7. भारतीय साहित्य के निर्माता :भूषण - राजमल बोरा, साहित्य अकादमी
8. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना- डॉ. बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
9. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत- डॉ. सूर्य नारायण द्विवेदी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
10. रस छंदालंकार- डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. महाकवि मतिराम- डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
12. पद्माकर- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

	13. देव और उनका काव्य- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 14. देव की दीपशिखा- पंडित विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आप हिंदी साहित्य की महत्त्वपूर्ण काव्यधारा रीतिकाव्य के प्रमुख कवियों केशवदास, बिहारी, मतिराम, भूषण, सेनापति, देव, घनानन्द एवं पद्माकर की रचनाओं से परिचित हो सकेंगे और कविता तथा शास्त्र के सम्बन्धों से भी आपका परिचय होगा।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**कथेतर हिन्दी साहित्य (HINMJ 302)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी गद्य लेखन के क्षेत्र में कथा साहित्य के अतिरिक्त अन्य अनेक विधाओं में भी लेखन हुआ, जैसे कि- यात्रा साहित्य, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी आदि। इन गद्य विधाओं को कथेतर गद्य के नाम से जाना जाता है। इस पाठ्क्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी की प्रमुख कथेतर गद्य विधाओं से अवगत कराया जाएगा।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**यात्रा साहित्य** ● सौन्दर्य की नदी नर्मदा-अमृतलाल बेगड़ (उत्तर तट - छिनगांव से अमरकंटक) ● मेरी तिब्बत यात्रा- राहुल सांकृत्यायन (ल्हासा से उत्तर की ओर) (यात्रा और साहित्य, यात्रा के सांस्कृतिक सन्दर्भ, भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से यात्रा साहित्य का महत्व)	15
II.	**संस्मरण/रेखाचित्र** ● अतीत के चलचित्र : महादेवी वर्मा (रामा) ● माटी की मूरतें: रामवृक्ष बेनीपुरी (रजिया) (कथ्य और शिल्प , चरित्रगत विशेषताएँ, संस्मरण साहित्य में स्मृति की महत्ता एवं यथार्थ की पुनर्रचना)	15
III.	**आत्मकथा** ● अपनी खबर- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र (अपनी खबर में व्यक्ति और समाज, भाषा एवं शिल्प)	15
IV.	**जीवनी** ● आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर (कथ्य और शिल्प, जीवनी साहित्य में व्यक्ति और समाज का चित्र)	15

Texts / References	1. आधुनिक हिन्दी साहित्य: विविध आयाम - आचार्य रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 3. महादेवी वर्मा: जगदीश गुप्त, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 4. अतीत था वर्तमान: अमर्त्य सेन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली 5. औपनिवेशिक भारत में सांस्कृतिक और विचारधारात्मक संघर्ष, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आप हिंदी के कथेतर साहित्यिक विधाएँ, जैसे- यात्रा साहित्य, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी आदि से परिचित हो सकेंगे और आपमें इन विधाओं के लेखन की प्रतिभा विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**आधुनिक हिन्दी कविता-01 (HINMJ 401)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख सरोकारों से परिचित कराया जाएगा । साथ ही आधुनिक हिन्दी कविता के पाठ द्वारा काव्य-प्रवृत्तियों, शिल्पगत विशेषताओं एवं महत्वपूर्ण पक्षों की जानकारी भी दी जाएगी ।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा** **(मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर)** ● मैथिलीशरण गुप्त - साकेत नवम सर्ग से: निरखि सखी ये खंजन आए, दोनों ओर प्रेम पलता है ● माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला ● सुभद्रा कुमारी चौहान -वीरों का कैसा हो बसंत, स्वदेश के प्रति ● रामधारी सिंह दिनकर - हिमालय, जनतंत्र का जन्म (राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा, राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक चेतना, आर्य समाज के सुधारवादी आंदोलन और गाँधी जी के स्वाधीनता आंदोलन का प्रभाव, मानवतावादी दृष्टिकोण)	15
II.	**छायावादी कविता-1 (जयशंकर प्रसाद और निराला)** ● जयशंकर प्रसाद -अरी वरुणा की शांत कछार, बीती विभावरी जाग री, वे कुछ दिन कितने सुंदर थे, तुमुल कोलाहल कलह में, अरुण यह मधुमय देश हमारा ● निराला - जागो फिर एक बार, राजे ने अपनी रखवाली की, बादलराग, पहला खंड, तोड़ती पत्थर (छायावादी काव्यः काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास , प्रमुख प्रवृत्तियाँ, राष्ट्रीय चेतना, प्रकृति चित्रण की विशेषता, शिल्प विधान)	15
III.	**छायावादी कविता-2 (सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा)** ● सुमित्रानंदन पंत - प्रथम रश्मि, परिवर्तन, नौका बिहार, भारत माता ग्राम वासिनी ● महादेवी वर्मा - बसंत रजनी, मैं नीर भरी दुख की बदली, यह मंदिर का दीप, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, जाग तुझको दूर जान, वे मुस्काते फूल नहीं (पंत की काव्यकला, प्रकृति चित्रण, काव्य भाषा, महादेवी वर्मा के काव्य की अंतर्वस्तु, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, गीति तत्व)	15
IV.	**उत्तर छायावादी कविता (हरिवंश राय बच्चन, गोपाल सिंह नेपाली, नरेंद्र शर्मा, शिवमंगल सिंह 'सुमन')** ● हरिवंशराय बच्चन - जो बीत गई सो बात गई, मुझे पुकार लो	15

	• गोपाल सिंह नेपाली - हिमालय और हम, मेरा धन है स्वाधीन कलम • नरेंद्र शर्मा - आज के बिछुड़े, क्या मुझे पहचान लोगी • शिवमंगल सिंह 'सुमन'- हम पंछी उन्मुक्त गगन के, वरदान माँगूंगा नहीं (काव्य संसार एवं काव्य दृष्टि, रचनाशीलता)	

Texts / References	1. छायावाद- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. राष्ट्र वाणी- सं. वासुदेव सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 4. हिन्दी कविता: छायावाद के बाद- डॉ. नीरज, डॉ. शिवानी सक्सेना, नटराज प्रकाशन, दिल्ली 5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता - रामदरश मिश्र, पुनीत बुक्स, 2016 6. छायावादोत्तर हिन्दी कविता में प्रगतिशीलता – डॉ . शशिबाला मौर्य, कला प्रकाशन, वाराणसी 7. संस्कृति, भाषा और राष्ट्रवाद - रामधारी सिंह 'दिनकर', यश पब्लिकेशन- नई दिल्ली
Learning Outcomes	हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक तीन कालखंड कविता केन्द्रित रहे हैं। आधुनिक काल में कविता के समानान्तर गद्य की विविध विधाओं का भी उत्कर्ष दिखाई पड़ता है। इस दृष्टि से आधुनिक हिन्दी कविता के गहन अध्ययन से विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य विशेषत: कविता के विस्तृत परिसर की समझदारी विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी निबन्ध (HINMJ 402)**
Category of Course	Major
Course Objectives	निबंध गद्य लेखन की महत्वपूर्ण विधा है। इससे जहाँ किसी विषय-विशेष को समझने में सहायता मिलती है, वहीं इससे गद्य लेखन की शैली विकसित करने में भी सहयोग मिलता है। इस प्रश्न-पत्र के अध्ययन से निबंध- लेखन की विकास-यात्रा के साथ-साथ मानवीय संवेदना और भावों को समझने की भी मेधा विकसित होगी।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	● आचार्य महावीर प्रसाद द्विवदी: हंस का नीर-क्षीर विवेक' ● बाल मुकंद गुप्त: शिव शंभु के चिट्ठे ● प्रताप नारायण मिश्र- बात	15
II.	● बाबू गुलाब रायः अध्ययन और आस्वाद ● रामचंद्र शुक्ल: उत्साह ● कुबेर नाथ राय - महाकवि की तर्जनी	15
III.	● रामवृक्ष बेनीपुरी: गेहूं बनाम गुलाब ● हजारीप्रसाद द्विवेदी: एक कुत्ता और एक मैना ● विद्यानिवास मिश्र-मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	15
IV.	● हरिशंकर परसाई - विकलांग श्रद्धा का दौर ● श्रीराम परिहार- माँ की लोरी रस की गागर ● निर्मल वर्मा- परम्परा और इतिहास बोध	15

Texts / References	1. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2. दूसरी परंपरा की खोज: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. रामचंद्र शुक्लः मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यः चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला 5. समकालीन हिंदी निबंध: कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 6. हिंदी निबंध और निबंधकार:रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 7. अध्ययन और आस्वाद: बाबू गुलाब राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. प्रतिनिधि हिन्दी निबंध, सम्पादन- हिन्दी विभाग, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 9. शब्द-शब्द झरते अर्थ, प्रो. श्रीराम परिहार, ज्ञान गंगा-प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 10. ललित निबन्ध : स्वरूप एवं परम्परा, प्रो. श्रीराम परिहार, आर्य प्रकाशन मण्डल, किताबघर, नई दिल्ली
Learning Outcome	इस प्रश्न पत्र के निबंधों को पढ़कर आप इस महत्त्वपूर्ण विधा से परिचय प्राप्त करेंगे। इसके माध्यम से गद्य लेखन की शैली विकसित होगी और आप हिंदी निबंध-लेखन की विकास-यात्रा से परिचित हो सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिंदी समीक्षा (HINMJ 403)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अपनी साहित्यिक समझ का विस्तार कर सकेंगे। उनमें कवियों व गद्यकारों का मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण हो सकेगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**स्वतंत्रता पूर्व: हिंदी समीक्षा** ● रामचंद्र शुक्ल ● हजारी प्रसाद द्विवेदी ● नंददुलारे वाजपेयी	15
II.	**स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा** ● रामविलास शर्मा ● नामवर सिंह ● रामस्वरूप चतुर्वेदी ● डॉ नगेंद्र	15
III.	**समकालीन हिंदी समीक्षा** ● मैनेजर पांडेय ● निर्मला जैन ● विश्वनाथ त्रिपाठी ● शिवकुमार मिश्र	15
IV.	**रचनाकार समीक्षक** ● सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ● गजानन माधव मुक्तिबोध ● मलयज ● विजयदेव नारायण साही	15

Texts / References	
	1. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिंदी आलोचक: शिखरों का साक्षात्कार - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. नामवर सिंह: आलोचना की दूसरी परंपरा (संपादक कमला प्रसाद) 6. आलोचक का दायित्व - डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 7. आलोचना के क्षण- सत्यपाल शर्मा- नई किताब प्रकाशन 8. आलोचना के सम्मुख- प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई

	9. स्मृति और संस्मृतिः रामस्वरूप चर्तुवेदी- संपादक- महेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, साहित्य भंडार , प्रयागराज 10. संवाद संवेदना और प्रतिरोधः रामस्वरूप चर्तुवेदी- संपादक- महेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, साहित्य भंडार , प्रयागराज 11. मैनेजर पाण्डेय का आलोचना आलोक-अरुण देव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 12. रामविलास शर्मा की वर्ण साधना-कृष्णमोहन सिंह, अनामिका प्रकाशन 13. रामविलास शर्मा का कला सौन्दर्य सम्बन्धि चिंतन- रवि भूषण- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 14. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी स्वतंत्रता पूर्वः, स्वातंत्र्योत्तर और समकालीन हिंदी समीक्षा तथा हिंदी के प्रमुख समीक्षकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी उन रचनाकारों से भी परिचित हो सकेंगे, जिन्होंने हिंदी अपनी मौलिक रचनाएँ और आलोचनाएँ भी लिखीं।

T	P	L	C	H
✓	X	30	02	30

Course Title	**हिन्दी उपन्यास (HINMJ 404)**
Category of Course	Major
Course Objectives	उपन्यास आधुनिक हिंदी की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा है, इस पाठ्यक्रम में हम हिंदी के चार प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से हिंदी उपन्यास के विकास को समझेंगे और उपन्यास विधा की सामाजिक भूमिका का परिचय प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**देहाती दुनिया (शिवपूजन सहाय)** ● भारतीय ग्रामीण समाज और उपन्यास ● कथा वस्तु और शिल्प ● चरित्र चित्रण **गबन (प्रेमचंद)** ● मध्यवर्गीय समाज और उपन्यास ● कथा वस्तु और शिल्प ● चरित्र चित्रण	10
II.	**त्यागपत्र (जैनेन्द्र कुमार)** ● मनोवैज्ञानिक उपन्यास ● कथा वस्तु और शिल्प ● स्त्री प्रश्न	10
III.	**चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा)** ● उपन्यास में इतिहास और कल्पना ● कथा वस्तु और शिल्प ● चरित्र चित्रण	10

Texts / References	1. प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. उपन्यासः स्थिति और गति - चंद्रकांत बांडदिवेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिन्दी उपन्यास - शिवनारायन श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास का विकास-क्रम समझ सकेंगे और उपन्यासों के माध्यम से उभरने वासे सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन के संदर्भों से भी परिचित हो सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास – (आदिकाल एवं मध्यकाल) (HINMJ 501)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी साहित्य के इतिहास का अध्ययन हिन्दी साहित्य के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करता है और हिन्दी साहित्य के विकासक्रम को समझने का एक स्पष्ट आधार भी देता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिन्दी साहित्य के विकास के आदिकाल एवं मध्यकाल का परिचय प्राप्त करेंगे और साहित्यिक प्रवृत्तियों को जानेंगे। साथ ही हिन्दी भाषा के इतिहास का सामान्य ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**हिंदी भाषा का आरम्भ और विकास** ● हिंदी भाषा का उद्भव और विकास ● हिन्दी का विस्तार क्षेत्र ● हिंदी की विविध बोलियों का संक्षिप्त परिचय ● खड़ी बोली हिन्दी का विकास	15
II.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन** ● हिन्दी साहित्येतिहास: लेखन की आधार भूत सामग्री और स्रोत ● हिन्दी साहित्येतिहास: काल विभाजन और नामकरण की समस्याएँ ● हिन्दी के प्रमुख इतिहास लेखकों की इतिहास दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सुमन राजे	15
III.	**आदिकाल एवं भक्तिकाल** ● आदिकालीन साहित्य : पृष्ठभूमि और सामान्य विशेषताएँ ● भक्ति आंदोलन की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ● प्रमुख भक्तिकालीन कवियों का सामान्य परिचय ● भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ	15
IV.	**रीतिकाल** ● रीतिकाल की सामाजिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ● रीतियुगीन काव्य का वर्गीकरण ● रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ ● रीतिकालीन काव्यधारा – प्रमुख कवियों का काव्य वैशिष्ट्य	15

Texts / References	1. साहित्य और इतिहास दृष्टि -मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली , 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – योगेंद्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. साहित्य का इतिहास दर्शन -नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली 4. इतिहास और आलोचना -नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य का इतिहासलेखन- प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई 6. हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल, प्रभात प्रकाशन 7. हिन्दी साहित्य की भूमिका -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 8. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , 9. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – वासुदेव सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 10. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ 11. परम्परा का मूल्यांकन -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 12. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक दो कालखंडों की जानकारी प्राप्त करेंगे और साहित्य के अध्ययन में साहित्य के इतिहास की भूमिका से भी अवगत होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य (HINMJ 502)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिंदी साहित्य के अध्ययन का प्रारंभ बिंदु उसका आदिकाल है, जिसमें लेखन का प्रारंभ कविता से होता है। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत हम आदिकालीन काव्य एवं भाषा के प्रतिनिधि कवियों चंदबरदाई, विद्यापति और अमीर ख़ुसरो की रचनाओं का अध्ययन करेंगे। इस क्रम में पूर्व-मध्यकाल के निर्गुण भक्तिकाव्य के प्रतिनिधि कवियों संत कबीर, संत रैदास और सूफी कवि मलिक मोहम्मद जायसी के काव्य का अध्ययन हिंदी भाषा और साहित्य के विकास को समझने में विद्यार्थियों का सहयोग करेगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**चंदबरदाई:** पृथ्वीराज रासो - 'पद्मावती समय' से आरंभिक पंद्रह छंद **विद्यापति:** (विद्यापति पदावली – रामवृक्ष बेनीपुरी) से नंदक नंदन कदंबक तरु तर, सैसव यौवन दुहु मिलि गेल, माधव की कहब सुन्दरि रुपे, नव वृंदावन नव नव तरुगन, माधव कत तोर करब बड़ाई, पिया मोर बालक हम तरुनी । **अमीर ख़ुसरो:** (ख़ुसरो की हिंदी कविता, सं. ब्रजरत्नदास, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी): मुकरी - 156, 160, 162, 168, 175, 184, 185, 188, 197, 204; दोहा - 291, 292, 295; पद - 286, 293 के साथ छाप तिलक सब छीनी..., काहे को ब्याही विदेस, अरे, लखिय बाबुल मोरे... तथा सकल बन फूल रही सरसों...।	15
II.	**संत कबीर:** (संत काव्य, सं. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, प्रयागराज): पद -1, 4, 22, 24, 27, 29, 43; साखियाँ - 1, 2, 3, 4, 16, 18, 19, 30, 37, 39, 48	15
III.	**संत रैदास:** संत रैदास-योगेन्द्र सिंह- लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज से पद संख्या 6,14,15,40,58,75,88,93 रविदास दर्शन, आचार्य पृथ्वी सिंह, श्री गुरु रविदास संस्थान, चंडीगढ़ से दोहा/दर्शन - 4, 28, 29, 41, 46, 53, 66, 74, 120, 122, 124, 128, 134, 153, 186	15
IV.	**जायसी:** (पद्मावत, सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल): नागमती वियोग खंड (1-19)	15

Texts / References	
	1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी
	2. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
	3. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
	4. विद्यापति - रमानाथ झा, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
	5. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
	6. विद्यापति: अनुशीलन एवं मूल्यांकन, खंड-1 एवं 2 - सं. डॉ. वीरेंद्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
	7. अमीर ख़ुसरो और उनका हिंदी साहित्य - डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
	8. अमीर ख़ुसरो: हिंदवी लोक काव्य संकलन - गोपी चंद नारंग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
	9. हिंदी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय: डॉ. पीतांबरदत्त बड़थ्वाल

	10. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 11. कबीर: एक अनुशीलन – डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 12. पूरा कबीर - सं. बलदेव बशी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली 13. रहिये अपने गाँवा जी - प्रो. मनोज कुमार सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 14. जायसी - डॉ.विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज 15. गुरु रविदास - काशीनाथ उपाध्याय, राधास्वामी सत्संग ब्यास, अमृतसर 16. संत साहित्य - डॉ.राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 17. संत रैदास: जीवनी एवं पदावली-ब्रजेंद्र कुमार सिंहल, आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल 18. संत रैदास की मूल विचारधारा-श्याम सिंह, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली 19. कवि रैदास- एक सबाल्टर्न चिंतन- आशीष कुमार'दीपांकर', अनुसंधान पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर 20. रैदास- धर्मपाल मैनी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली 21. गुरु रविदास- आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के बाद आप हिन्दी साहित्य के आदिकालीन काव्य एवं भाषा के प्रतिनिधि कवियों चंदबरदाई, विद्यापति और अमीर ख़ुसरो की रचनाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। पूर्व-मध्यकाल के निर्गुण भक्तिकाव्य के प्रतिनिधि कवियों संत कबीर, संत रैदास और सूफी कवि मलिक मोहम्मद जायसी की कविताओं के अध्ययन के पश्चात् आप हिंदी भक्ति काव्य के विकास को समझ पाएँगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**भारतीय काव्यशास्त्र (HINMJ 503)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी को भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतकों का ज्ञान प्राप्त होगा। भारतीय काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों से परिचित कराया जायेगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**भारतीय काव्यशास्त्र** ● काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।	15
II.	**भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांत** ● रस सिद्धांत (सामान्य परिचय) ● ध्वनि सिद्धांत (सामान्य परिचय)	15
III.	**भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांत** ● अलंकार सिद्धांत (सामान्य परिचय) ● रीति सिद्धांत(सामान्य परिचय)	15
IV.	**भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धांत** ● वक्रोक्ति सिद्धांत (सामान्य परिचय) ● औचित्य सिद्धांत (सामान्य परिचय)	15

Texts / References	1. भारतीय साहित्यशास्त्र- गणेश त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना 2. रस मीमांसा- रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 3. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 4. भारतीय काव्य विमर्श-राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 5. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी, दिल्ली अलंकार, 1974 6. रस – सिद्धांत – डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 7. भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के विकास एवं भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदायों के बारे में जान सकेंगे और काव्य के सम्यक् आस्वादन औऱ समीक्षण में काव्यशास्त्र की भूमिका से भी परिचित होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	30	02	30

Course Title	**हिन्दी नवगीत और गज़ल (HINMJ 504)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम में हम हिन्दी कविता के दो प्रमुख काव्यरुपों नवगीत और गज़ल का अध्ययन करेंगे और प्रमुख नवगीतकार तथा गज़लकारों का परिचय प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**हिन्दी नवगीत और ग़ज़ल का** उद्भव **और विकास** ● हिन्दी नवगीत का उद्भव और विकास ● हिन्दी ग़ज़ल का उद्भव और विकास	10
II.	**नवगीत** ● **शम्भुनाथ सिंह :** समय की शिला पर, दर्द जहाँ नीला है, सोन हँसी हँसते हैं लोग ● **उमाकान्त मालवीय :** चन्द्रमा उगा गणेश चौथ का, परछन की बेला है, अँधियारे में जुगनू बोए थे कल ● **उमाशंकर तिवारी :** चलिए बाज़ार तक चलें,पहचाने नहीं जाते, बे चेहरा मैं ● **गुलाब सिंह :** गाँव मेरा, आग तो बचाना, छोटी-सी बिल्ली	10
III.	**हिन्दी गज़ल** ● **दुष्यन्त कुमार :** कहाँ तो तय था चराग़ाँ हरेक घर के लिए, हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए, एक गुड़िया की कई कठपुतलियों में जान है, इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है ● **गोपालदास नीरज :** समय ने जब भी अँधेरों से दोस्ती की है, शाम ढलने के लिए रोज़ सुबह सजते हैं, बदन पे जिसके शराफ़त का पैरहन देखा, बात अब करते हैं कतरे भी समन्दर की तरह ● **रामदरश मिश्र :** बनाया है मैंने ये घर धीरे-धीरे, बाज़ार को निकले हैं लोग बेच के घर को, महफिलें ज्यों-ज्यों हँसी तनहाइयाँ बढ़ती गयीं, बजी है बाँसुरी-सी जब भी तेरा स्वर आया ● **कुँवर बेचैन :** अपने मन में ही अचानक यूँ तरल हो जाएँगे, दोनों ही पक्ष आए हैं तैयारियों के साथ, उम्रभर कुछ इस तरह हम जागते-सोते रहे, दो-चार बार हम कभी जो हँस-हँसा लिए	10

Texts / References	1. हिन्दी नवगीत: उद्भव और विकास- डॉ. राजेन्द्र गौतम, पराग प्रकाशन, दिल्ली 2. हिन्दी गज़ल की विकास यात्रा - रवीन्द्र प्रभात 3. हिन्दी गज़ल का शिल्प औरर सौन्दर्य - राजेन्द्र वर्मा, श्वेतवर्ण प्रकाशन 4. हिन्दी गज़ल की परंपरा – हरेराम समीप, किताबगंज प्रकाशन 5. हिन्दी गज़ल: उद्भव और विकास – रोहिताश्व अस्थाना, सुपर बुक

	6. हिन्दी गज़ल की शक्ति और संचेतना - ज्ञान प्रकाश विवेक, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य की दो प्रमुख काव्य-विधाओं नवगीत औऱ ग़ज़ल के विकास-क्रम को समझ सकेंगे और प्रमुख नवगीतकार और ग़ज़लकारों का भी परिचय पाएंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी साहित्य का इतिहास – (आधुनिक काल) (HINMJ 601)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी साहित्य के इतिहास का अध्ययन हिन्दी साहित्य के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करता है और हिन्दी साहित्य के विकासक्रम को समझने का एक स्पष्ट आधार भी देता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिन्दी साहित्य के विकास के आधुनिक कालखंड का परिचय प्राप्त करेंगे और साहित्यिक प्रवृत्तियों को भी जानेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**आधुनिक काल का उदय – भारतेन्दु युग** ● हिंदी और उर्दू ● हिन्दी गद्य का प्रवर्तन ● हिन्दी साहित्य में आधुनिकता के आरंभ की परिस्थितियां ● 1857 का स्वाधीनता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण ● भारतेन्दु युगीन हिन्दी साहित्य	15
II.	**आधुनिक काल का विकास – द्विवेदी युग** ● महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग ● द्विवेदी युगीन हिन्दी काव्य ● द्विवेदी युगीन हिन्दी गद्य	15
III.	**स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों का विकास** ● काव्य प्रवृत्तियाँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा अन्य ● गद्य विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध का आरम्भ और विकास	15
IV.	**स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों का विकास** ● हिन्दी कविता के प्रमुख आंदोलन ● हिन्दी कहानी के प्रमुख आंदोलन	15

Texts / References

1. साहित्य और इतिहास दृष्टि -मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ,
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – योगेंद्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य का इतिहास दर्शन -नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली
4. इतिहास और आलोचना -नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल, प्रभात प्रकाशन
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का इतिहासलेखन- प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई
9. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ
10. परम्परा का मूल्यांकन -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

	11. हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास - वशिष्ठ अनूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 12. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के परवर्ती दो कालखंडों की जानकारी प्राप्त करेंगे और इस कालखंड के साहित्य के अध्ययन में साहित्य के इतिहास की भूमिका से भी अवगत होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**सगुण भक्ति काव्य (HINMJ 602)**
Category of Course	Major
Course Objectives	भक्ति काव्य ने हिन्दी भाषी समाज की संस्कृति की रचना में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इस पाठ्यक्रम में हम सगुण भक्ति धारा के प्रतिनिधि कवियों सूर, मीरा, तुलसी और रसखान के माध्यम से हिन्दी की महान साहित्यिक विरासत से परिचित होंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**सूरदास:** (सूरसागर- संपा. धीरेन्द्र वर्मा) हरि जू की बाल छबि कहौं बरनि, सोभित कर नवनीत लिए, मैया मैं नहिं माखन खायो, मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों, संदेसो देवकी सो कहियो, जसोदा बार-बार यो भाखै। एवं भ्रमर गीत सार से पांच पद (3, 42, 64, 85, 89) संपा. रामचंद्र शुक्ल।	15
II.	**मीराबाई** की पदावली (संपा.आचार्य परशुराम चतुर्वेदी) 18, 21, 22, 23, 31, 35, 36, 48, 70.	15
III.	**तुलसीदास**: रामचरितमानस (गीता प्रेस संस्करण)- बालकांड (सकल सौच करि..... से जानि गौरि अनुकूल) दोहा सं. 226 के बाद की चैपाई से दोहा सं. 236 तक, कवितावली (गीताप्रेस संस्करण) अयोध्या कांड, संख्या 2, 11, 12, 21, 22.	15
IV.	**रसखान:** (स्वर्ण-मंजूषा संपा. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार) सं. 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 10,12, 13.	15

Texts / References	1. सूरदास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा 2. महाकवि सूरदास-नन्ददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली 3. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, मुंबई 4. सूर सुधा – वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद 5. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 6. गोस्वामी तुलसीदास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 7. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 8. तुलसी आधुनिक वातायन से -रमेश कुन्तल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 9. मीराबाई-श्रीकृष्ण लाल, आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी 10. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 11. मीरा: एक पुनर्मूल्यांकन- संपा. पल्लव, आधार प्रकाशन 12. रसखान रचनावली : राजेन्द्र पंडित, डाइमंड पॉकेट बुक्स
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के बाद आप हिन्दी साहित्य के सगुण भक्तिकाव्य के प्रतिनिधि कवियों सूरदास, मीरा, तुलसीदास और रसखान की रचनाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। पूर्व-मध्यकाल के इन प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के अध्ययन के पश्चात् आप हिंदी भक्ति काव्य के विकास को भी समझ पाएँगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र (HINMJ 603)**
Category of Course	Major
Course Objectives	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अनुशीलन अनेक कारणों से हिन्दी साहित्य के सम्यक बोध के लिए आवश्यक है। इस प्रश्नपत्र में हम पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास को समझते हुए पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों की मान्यताओं का परिचय प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**प्लेटो, अरस्तू और लोंगिनुस** ● प्लेटो : काव्य सत्य और काव्य सृजन प्रक्रिया ● अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी का स्वरूप, विरेचन सिद्धान्त ● लोंगिनुस: काव्य में उदात्त की अवधारणा, उदात्त के तत्त्व	15
II.	**कॉलरिज और वर्ड्स्वर्थ** ● कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी ● वर्ड्स्वर्थ : काव्य भाषा सिद्धान्त, काव्य सम्बन्धी अवधारणा	15
III.	**इलियट और रिचर्ड्स** ● इलियट : परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ समीकरण ● रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त	15
IV.	**साहित्य सम्बन्धी प्रमुख धारणाएँ** शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, आधुनिकतावाद, रूपवाद, संरचनावाद, नई समीक्षा, उत्तरसंरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद	15

Texts / References	1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैकस, दिल्ली 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - विजयपाल सिंह, जयाभारती प्रकाशन 3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ - सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. तुलनात्मक काव्यशास्त्र - राममूर्ति त्रिपाठी 6. अरस्तु का काव्यशास्त्र – नगेन्द्र, हिन्दी अनुसंधान परिषद, दिल्ली 7. उदात्त के विषय में - निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा - सावित्री सिन्हा (सं), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 9. काव्यचिंतन की पश्चिमी परंपरा – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 10. पाश्चात्य आलोचक और आलोचना – नामवर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विभिन्न अवधारणाओं के बारे में जान सकेंगे और काव्य के सम्यक् आस्वादन औऱ समीक्षण में काव्यशास्त्र की भूमिका से भी परिचित होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**कथा साहित्य (HINMJ 604)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी कथा साहित्य की दोनों विधाएँ समाज का समग्र चित्र प्रस्तुत करती हैं। इस पाठ्यक्रम में हम स्वतंत्रता के बाद के चार उपन्यासों और दस कहानियों का अध्ययन करेंगे। इस क्रम में विद्यार्थी कथा साहित्य की निर्धारित कृतियों के माध्यम से उनकी व्याख्यात्मक और समीक्षात्मक समझ विकसित करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**नाच्यो बहुत गुपाल (अमृतलाल नागर)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि ● औपन्यासिक शिल्प का वैशिष्ट्य **आधा गाँव (राही मासूम रजा)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि ● औपन्यासिक शिल्प का वैशिष्ट्य	15
II.	**जिंदगीनामा (कृष्णा सोबती)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि ● औपन्यासिक शिल्प का वैशिष्ट्य **नौकर की कमीज (विनोद कुमार शुक्ल)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि ● औपन्यासिक शिल्प का वैशिष्ट्य	15
III.	**गदल (रांगेय राधव)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **चीफ की दावत (भीष्म साहनी)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य	15

	वापसी (उषा प्रियंवदा) ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **बिरादरी (शानी)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **पिता (ज्ञानरंजन)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ कहानी कला का वैशिष्ट्य	
IV.	**अपना रास्ता लो बाबा (काशीनाथ सिंह)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **तिरिया चरित्तर (शिवमूर्ति)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **पार्टीशन (स्वयं प्रकाश)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **चिट्ठी (अखिलेश)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य **बाजार में रामधन (कैलाश बनवासी)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● कहानी कला का वैशिष्ट्य	15
Texts / References	1. उपन्यास: स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. उपन्यास: मूल्यांकन के नये आयाम - (सं.) प्रभाकर सिंह, प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, वाराणसी 3. उपन्यास का पुनर्जन्म - परमानंद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 5. हिन्दी उपन्यास का विकास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 6. हिन्दी उपन्यास की संरचना - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 7. हिन्दी उपन्यास: नया पाठ - हेमंत कुकरेती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. हिन्दी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 9. कहानी: नयी कहानी - नामवर सिंह , लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 10. आधुनिक हिन्दी कहानी – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 11. हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ - सुरेंद्र चैधरी , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 12. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 13. हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश - मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 14. कहानी का बदलता परिदृश्य - नीरज खरे, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली	

Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी पठित उपन्यास की वस्तुगत, कथात्मक और शिल्पगत उपलब्धियों को जानेंगे। साथ ही हिन्दी यहाँ पठित कहानियों की वस्तुगत, कथात्मक और कलात्मक विशेषताओं से परिचित हांगे। इन कथा कृतियों को पढ़ते हुए विद्यार्थी भारतीय समाज के यथार्थ, जटिलताओं और ताने-बाने से परिचित हांगे। इन्हें पढ़ते हुए विद्यार्थी अपने समाज, परिवार और लोगों से मानवीय स्तर पर जुड़ने की संवेदना ग्रहण करेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**आधुनिक हिन्दी कविता – 02 (HINMJ 701)**
Category of Course	Major
Course Objectives	आधुनिक हिन्दी कविता को समग्रता में जानने-समझने के लिए इस पाठ्यक्रम में हम स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता के आठ प्रतिनिधि कवियों की दो-दो कविताओं के माध्यम से कवि के काव्य संसार, काव्य दृष्टि, काव्य संवेदना और काव्य कला को समझेंगे। इस क्रम में विद्यार्थी निर्धारित कविताओं के माध्यम से उनकी व्याख्यात्मक और समीक्षात्मक समझ विकसित करेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	नागार्जुन: अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक केदारनाथ अग्रवाल: मुझे नदी से बहुत प्यार है, माँझी न बजाओ बंशी	15
II.	अज्ञेय: नदी के द्वाप, हिरोशिमा मुक्तिबोध: भूल गलती, चकमक की चिनगारियाँ	15
III.	धूमिल: अकाल दर्शन, मोचीराम केदारनाथ सिंह: बुनाई का गीत, सन् 47 को याद करते हुए	15
IV.	श्रीकान्त वर्मा: मगध, काशी में शव रघुवीर सहाय: रामदास, हँसो - हँसो, जल्दी हँसो	15

Texts / References	1. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. समकालीन हिन्दी कविता - (सं.) परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 3. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. कविता और समाज - अरुण कमल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी 6. समकालीन काव्य यात्रा - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 7. समकालीन कविता के प्रतिमान, वशिष्ठ अनूप, साहित्य भण्डार, प्रयाग 8. साठोत्तरी कविता परिवर्तित दिशाएं - विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान 11. हिन्दी की प्रगतिशील कविता - लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी 12. मेरे समय के शब्द - केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी यह जानेंगे कि आधुनिक हिन्दी कविता में स्वतंत्रता के पश्चात् निर्मित समय और समाज की पहचान किस प्रकार हुई है। स्वतंत्रता के पश्चात् प्रमुख हिन्दी कवियों के रचनात्मक अवदान से परिचित हांगे। साथ ही कविता की व्याख्यात्मक और समीक्षात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**भाषा विज्ञान (HINMJ 702)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी को भाषा की परिभाषा और भाषा की विशेषताओं का ज्ञान होगा। भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध का ज्ञान होगा। भाषा विज्ञान के प्रमुख अंगों का ज्ञान होगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	● भाषा: परिभाषा, तत्त्व, अंग और विशेषताएँ, ● भाषा विज्ञान: परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ एवं ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध। ● हिन्दी भाषा का विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण ● राजभाषा के रूप में हिन्दी	15
II.	● स्वयं एवं स्वनिम विज्ञान : स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वन यंत्र, स्वन भेद, स्वनिम के भेद, मानस्वर ● रूप एवं रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप, सम्बन्ध तत्त्व और अर्थ तत्त्व, रूप और संरूप, रूपिमों का वर्गीकरण एवं स्वरूप।	15
III.	● वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप, निकटस्थ अवयव, वाक्य रचना, वाक्य के प्रकार ● अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।	15
IV.	● प्रमुख भाषा वैज्ञानिक: फर्दिनेंड द सस्यूर, चॉम्स्की, ब्लूमफील्ड, लेबॉव धीरेंद्र वर्मा, रामविलास शर्मा, देवेंद्रनाथ शर्मा	15

Texts / References	1. भाषा-विज्ञान का रसायन- कैलाश नाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. भाषा विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 3. सामान्य भाषा विज्ञान- बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 4. हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास-उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन 5. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. हिंदी भाषा-हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, 2022 7. हिंदी भाषा का इतिहास-धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 8. भाषा का संसार-दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011 9. भाषा विज्ञान – डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भाषा के स्वरूप से परिचित होंगे और भाषा सम्बन्धी प्रमुख भारतीय और पाश्चात्य अवधारणाओं को जानेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**नाटक एवं रंगमंच (HINMJ 703)**
Category of Course	Major
Course Objectives (not more than 100 words)	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से नाटक एवं रंगमंच की समझ विकसित करते हुए आधुनिक हिन्दी नाटक के प्रमुख सरोकारों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**हिन्दी नाटक: विविध आयाम** ● रंगमंचीय अवधारणा ● हिंदी रंग परंपरा ● यथार्थवादी और गैर यथार्थवादी रंगमंच ● रंगभाषा	15
II.	**हिन्दी नाटक: स्वतंत्रता पूर्व** **अंधेर – नगरी : भारतेन्दु हरिश्चंद्र** ● कथ्य एवं शिल्प ● प्रासंगिकता ● व्यंग्य और लोक का जीवंत मुहावरा ● वैष्णव भक्ति **ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद** ● कथ्य और शिल्प ● स्त्री प्रश्न ● रंग – परिकल्पना ● भाषिक संरचना ● चरित्र – सृष्टि	15
III.	**स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक** **आधे – अधूरे : मोहन राकेश** ● साठोत्तरी भारतीय परिदृश्य में पारिवारिक विघटन ● कामकाजी स्त्री का संघर्ष ● अधूरेपन की त्रासदी ● रंग – भाषा **संशय की एक रात : नरेश मेहता**	15

	• अंतर्वस्तु और रूप • रंगभाषा • मिथकीय संदर्भ • काव्य नाटक की विशेषताएँ	
IV.	**समकालीन हिन्दी नाटक** **जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ: असग़र वजाहत** • अंतर्वस्तु और रूप • विभाजन की त्रासदी • रंगभाषा **बापू : नंदकिशोर आचार्य** • एकल प्रस्तुति की विशेषताएँ • अंतर्वस्तु और रूप • गाँधी – विचार	15

Texts / References	1. पहला रंग – देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन 2. रंगभाषा- गिरीश रस्तोगी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली, 1999 3. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन 4. हिंदी नाटक और रंगमंच: नयी दिशाएँ, नये प्रश्न – गिरीश रस्तोगी 5. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचन्द्र जैन, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, 1978 6. जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, 1939 7. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, 1990 8. प्रसाद के नाटक: स्वरुप और संरचना – गोविन्द चातक, ,, 1989 9. मोहन राकेश, रंग-शिल्प और प्रदर्शन – डॉ. जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन 10. मोहन राकेश व उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन 11. नई रंग-चेतना और हिन्दी नाटककार – जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन 12. समकालीन हिन्दी रंगमंच और रंगभाषा – आशीष त्रिपाठी, शिल्पायन 13. आधुनिक भारतीय रंगलोक – जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 14. रंगमंच के सिद्धांत – महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के उपरान्त विद्यार्थियों में नाटक एवं रंगमंच के अन्योन्याश्रित संबंध की समझ विकसित हो जायेगी। वे रंगभाषा के साथ-साथ नाट्य पाठ का समुचित विश्लेषण भी कर सकेंगे। साथ ही अन्तर्विषयक पाठ्यक्रम होने की वजह से दृश्य, श्रव्य, संगीत, नृत्य, शिल्प आदि के विषय में भी जानकारी प्राप्त करेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**शोध प्रविधि (HINMJ 704)**
Category of Course	Major
Course Objectives	1. साहित्य का गहन ज्ञान और अनुसंधान के लिए लागू वैज्ञानिक तरीकों और तकनीकों की व्यापक समझ और साथ ही वर्तमान अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण। 2. ज्ञान के अनुप्रयोग में मौलिकता का प्रदर्शन करने में सक्षम होने के साथ-साथ, उनके क्षेत्र में ज्ञान विकसित करने और व्याख्या के लिए अनुसंधान का उपयोग कैसे किया जाता है, इसकी व्यावहारिक समझ।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**शोध: सामान्य परिचय** ● शोध क्या है ? ● शोध: परिभाषा और महत्व ● शोधकर्ता में अपेक्षित गुण ● शोध के प्रकार ● विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शोध ● समाज विज्ञान में शोध ● कला एंव साहित्य में शोध ● रचना, आलोचना एवं शोध: अंतःसंबंध ● शोध में मौलिकता ● शोध और नैतिकता	15
II.	**शोध -प्रक्रिया** ● शोध-विचार/शोध-जिज्ञासा का जन्म ● समस्या का निर्धारण और समस्या-कथन की रचना ● विषय के चयन में सावधानियाँ ● परिकल्पना ● पूर्व में हुए कार्य का ज्ञान और विवेचन ● शोध की सीमाओं और लक्ष्य का निर्धारण ● संभावित वैचारिक आधारों की खोज ● शोध – सैद्धांतिकी का निर्माण	15

III.	**शोध-प्रक्रिया** • शोध अभिकल्पन • रूपरेखा एवं अध्यायीकरण • सामग्री एवं आकड़ों का संकलन, संवर्गीकरण एवं विवेचन • प्रेक्षण • साक्षात्कार एवं प्रश्नावली • अन्तर्वस्तु विश्लेषण • विश्लेषण पद्धतियाँ	15
IV.	**शोध-प्रबंध लेखन** • अध्यायानुसार सामग्री विभाजन • विवेचन-विश्लेषण शैली • उद्धरणों का उपयोग तथा इसमें सावधानियाँ • नवीन तथ्यों का आग्रह • सन्दर्भ सूचनाएँ एवं सहायक सामग्री सूची • भाषा और गद्य-शैली का आदर्श, अकादमिक रूप और रचनात्मकता • निष्कर्षों का प्रस्तुतिकरण • टंकण, प्रूफ पाठ, पुनरीक्षण एवं प्रस्तुति • सन्दर्भ सूची के प्रकार (ए.पी.ए; एम.एल.ए. आदि)	15
Texts / References	1. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 2. अनुसंधान पद्धिति की विवेचना- डी. आर. भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर 3. शोध प्रविधि- विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 4. अनुसंधान की समस्याएँ- डॉ ओम प्रकाश, आर्य बुक डिपो, करोलबाग, नई दिल्ली 5. अनुशीलन शोध विशेषांक- भारतीय हिंदी परिषद्, इलाहाबाद विश्वविद्यालय	
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी अनुसंधान की योजना और कार्यान्वयन में स्वायत्त रूप से कार्य करने में सक्षम हो सकेंगे और उनमें शोध की क्षमता, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता, विषय विश्लेषण की क्षमता का भी विकास होगा।	

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**भारतीय साहित्य (HINMJ 801-A)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्न - पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत के कुछ महत्वपूर्ण रचनाकारों के लेखन से परिचित करवाया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**उपन्यास** ● छह बीघा ज़मीन – फ़कीर मोहन सेनापति / प्रथम प्रतिश्रुति – आशा पूर्णा देवी **टिप्पणी :** उपर्युक्त दोनों उपन्यासों में से सत्र – विशेष में किसी एक अनूदित उपन्यास का अध्यापन किया जाएगा।	15
II.	**कहानी** ● काबुलीवाला : रवीन्द्रनाथ ठाकुर ● एक रुकी हुई चिट्ठी : आर. के. नारायण ● दुविधा : विजयदान देथा ● जंगली बूटी : अमृता प्रीतम	15
III.	**नाटक** ● खामोश अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर ● पगला घोड़ा : बादल सरकार	15
IV.	**कविता** ● आह को चाहिए इक उम्र असर होने तक, हज़ारों ख़्वाहिशें ऐसी कि हर ख़्वाहिश पे दम निकले : मिर्ज़ा गालिब ● सबसे खतरनाक, अब मैं विदा लेता हूँ : पाश ● भारत तीर्थ, अभिसार : रवीन्द्रनाथ टैगोर	15

Texts / References	1. भारतीय साहित्य – नगेन्द्र, साहित्य सदन प्रकाशन 2. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 3. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, 2011 4. मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन 5. आधुनिक भारतीय चिंतन – विश्वनाथ नखणे, राजकमल प्रकाशन 6. भारतीय साहित्य की रूपरेखा – भोलाशंकर व्यास, चौखंभा विद्या भवन, वाराणसी 7. इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेंडेंस – (सं) के एस आर आयंगर, साहित्य अकादमी दिल्ली 8. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप – (सं) आलोक गुप्त, राजपाल एंड संस 9. भारतीय साहित्य की पहचान – सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के उपरान्त विद्यार्थी भारतीयता की अवधारणा से परिचित होने के साथ भारतीय साहित्य में ऐक्य और वैविध्य को भी समझेंगे। भारतीय साहित्य की यह समझ उन्हें भारतीय जीवन पद्धति आचार व्यवहार एवं संस्कृति से भी परिचित करवाएगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**विश्व साहित्य (HINMJ 801-B)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्न – पत्र के माध्यम से छात्रों को विश्व के कुछ चुनिंदा लेखकों के रचनाकर्म से परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**उपन्यास** ● एकांत के सौ वर्ष : गैब्रियल गार्सिया मार्केज़/डान क्विग्जोट : सरवान्तीस **टिप्पणी :** उपर्युक्त दोनों उपन्यासों में से सत्र – विशेष में किसी एक अनूदित उपन्यास का अध्यापन किया जाएगा।	15
II.	**कहानी** ● मुज़रिम : एन्टन चेखव ● दीर्घ निर्वासन : लियो टालस्टाय ● तकासे बुने : ओगाई मोरी ● चीज़ें : जियोवानी वर्गा ● दहेज : गी दी मोपासां	15
III.	**नाटक** ● गुड़ियाघर : हेनरिक इब्सन (doll's house) ● पाठ : यूजीन इओनेस्को	15
IV.	**कविता** ● ना होना शायद तुम्हारे साथ ना होना है : पाब्लो नरुदा ● मैं – एक औरत : मार्जिएह ऑस्कोई ● मिराबो पुल : अपॉलीनेयर ● प्रेम – गीत (अन्ना के लिए) : चिनुआ अचेबे ● जब तुम बूढ़ी हो जाओगी : विलियम बट्लर येट्स	15

Texts / References	1. आधुनिक विश्व साहित्य और सिद्धांत – नामवर सिंह (सं) आशीष त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन 2. साहित्य संस्कृति और विचारधारा - अन्तोनियो ग्राम्शी (अनुवाद : रामनिहाल गुंजन), गार्गी प्रकाशन 3. विश्व साहित्य की अवधारणा – भगवतशरण उपाध्याय, राजपाल एंड संस 4. What is World Literature - David Damrosch, Princeton University Press
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी विश्व साहित्य की वृहत्तर अवधारणा से परिचित हांगे, साथ ही मनुष्य को केन्द्र में रखकर, उसके सुख-दुख, राग विराग एवं संघर्ष को अभिव्यक्त करने वाले इस साहित्य में अलग-अलग भौगोलिक परिदृश्य में जीवन के विविध क्षेत्रों में संघर्षरत मनुष्य होने की वजह से अनुवाद की बढ़ती महत्ता को भी समझ सकते हैं।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**लोक साहित्य (HINMJ 801-C)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम लोक साहित्य के प्रमुख रुपों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे और लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आदि के सांस्कृतिक तथा सामाजिक महत्व से भी परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	• लोक क्या है? • 'लोक' और 'वेद' तथा 'लोक' और 'शिष्ट' में अंतर • लोक साहित्य: आशय, अवधारणा, महत्त्व और परंपरा • लोक साहित्य का वर्गीकरण और लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं का सामान्य परिचय, लोक साहित्य और समाज, लोक साहित्य और लोक संस्कृति	15
II.	• लोक कथा और उनके विविध रूप, लोक कथा और लोक मिथक का अंतःसंबंध, निजंधरी कथा और लोक कथा में अंतर • लोक वार्ता और जनश्रुति, लोक सुभाषित और लोक ज्ञान	15
III.	हिंदी की प्रमुख बोलियों के निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचयात्मक आकलन: • भोजपुरी: भिखारी ठाकुर • अवधी: रमई काका • ब्रज: जगन्नाथदास रत्नाकर • बुंदेली: ईसुरी • मगही: शेषानंद 'मधुकर' • मैथिली: आरसी प्रसाद सिंह	15
IV.	**भोजपुरी /अवधी/ ब्रजभाषा/ बुन्देली/ मगही/ मैथिली का लोक साहित्य** • लोक गीत (संस्कार गीत, व्रत गीत, श्रम गीत, ऋतु गीत) • लोक कथाएँ (व्रत कथा, परिकथा, नाग कथा, बोध कथा) • लोक नाट्य (रामलीला, रासलीला, विदेसिया, भाड़, नौटंकी, विदापत नाच, जाट-जट्टीन, माच, नाचा, पाण्डवानी) **टिप्पणी :** उपर्युक्त बोलियों में से सत्र – विशेष के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चयनित किसी एक बोली के लोक गीत, लोक कथाएँ एवं लोक नाटकों का अध्यापन किया जाएगा।	15

Texts / References	1. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रयागराज 2. लोक मिथक: मूल्य और सौंदर्य दृष्टि - श्यामसुंदर दुबे, विजया बुक्स, दिल्ली

	3. हिंदी साहित्य ज्ञान कोष - (प्रधान संपादक) शंभुनाथ, खंड-7, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. भोजपुरी लोक साहित्य - कृष्णदेव उपाध्याय 5. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम – डॉ. शांति जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन 6. लोक साहित्य का अध्ययन - त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 7. बुंदेली भाषा का परिचय एवं इतिहास - बहादुर सिंह परमार, म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 8. लोक: परंपरा, पहचान और प्रवाह - श्यामसुंदर दुबे, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करने के बाद आप यह जान सकेंगे कि लोक साहित्य की अवधारणा और इसके विविध रूपों को जानकर, विद्यार्थी लोक संस्कृति के निर्माण में लोक साहित्य के महत्त्व को जानेंगे। साथ ही हिन्दी की बोलियों के कुछ प्रसिद्ध रचनाकारों के अवदान का संक्षिप्त आकलन कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**अस्मितामूलक साहित्य – दलित विमर्श (HINMJ 802-A)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिंदी का साहित्य सर्वसमावेशी होने के कारण मानव मात्र की पीड़ा के प्रति संवेदनशील रहा है। अतः इस प्रश्नपत्र में दलित समाज के दुख-दर्द, आशा और आकांक्षाओं से हम परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**दलित साहित्य की वैचारिकी** ● दलित की अवधारणा और हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श ● दलित साहित्य की अवधारणा, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति ● दलित साहित्य (कविता, कहानी, उपन्यास और आत्मकथा) का सामान्य परिचय	15
II.	**कविता** ● शंबूक : कँवल भारती ● अपराध बोध : श्योराज सिंह बेचैन ● सुनो ब्राह्मण : मलखान सिंह ▪ दलित कविता का सामान्य परिचय ▪ दलित कविता की सामाजिक भूमिका ▪ दलित कविता की भाषा और उसका सौंदर्यशास्त्र	15
III.	**कथा साहित्य** **कहानी:** ● पच्चीस चौका डेढ़ सौ : ओमप्रकाश वाल्मीकि ● घायल शहर की एक बस्ती : मोहनदास नैमिशराय ● दलित ब्राह्मण : शरण कुमार लिम्बाले ● सिलिया : सुशीला टाकभौरे **उपन्यास:** ● छप्पर : जयप्रकाश कर्दम	15
IV.	**आत्मकथा और नाटक** ● मुर्दहिया : तुलसीराम ● कोर्ट मार्शल: स्वदेश दीपक	15

Texts / References	1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन 2. दलित साहित्य में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना - श्योराज सिंह बेचैन 3. आज का दलित साहित्य - डॉ तेज सिंह, आतिश प्रकाशन, 2000

	4. चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य - डॉ. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. देवेंद्र चौबे, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग 5. उत्तर सदी के हिन्दी कथा साहित्य में दलित विमर्श – श्योराज सिंह बेचैन, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीबूटर्स, नई दिल्ली 6. समकालीन कविता के प्रतिमान- वशिष्ठ 'अनूप', साहित्य भण्डार, प्रयाग 7. हिन्दी कविता के प्रमुख विमर्श- वशिष्ठ 'अनूप', प्रलेक प्रकाशन, दिल्ली 8. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरीनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप हिंदी का साहित्य के अन्तर्गत दलित साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। इसके अध्ययन से आपमें मानवीय संवेदना, करुणा, दया आदि भावनाओं का विस्तार होगा।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**अस्मितामूलक साहित्य – स्त्री विमर्श (HINMJ 802-B)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को स्त्रीवाद की अवधारणा, स्त्रीवादी आंदोलन, स्त्री मुक्ति से संबंधित विचारकों से परिचित कराया जायेगा। स्त्री जीवन का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख साहित्य का परिचय कराया जायेगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**स्त्री विमर्श: सैद्धांतिकी** ● स्त्री विमर्श की अवधारणा ● स्त्री विमर्श संबंधी प्रमुख पारिभाषिक शब्द (लैंगिकता, पितृसत्ता, समानता, सशक्तीकरण, स्त्री भाषा) ● नारीवाद के प्रकार एवं सिद्धान्त (उदारवादी नारीवाद, उग्रवादी नारीवाद, समाजवादी नारीवाद, मार्क्सवादी नारीवाद, उत्तर आधुनिक नारीवाद और पारिस्थितिक नारीवाद)।	15
II.	**साहित्य विमर्श – 1** ● **कविता:** कहती हैं औरतें (सं. अनामिका) ▪ पद्मा सचदेव- कलम ▪ अनामिका - अनुवाद, बेजगह ▪ सविता सिंह- मैं किसकी औरत हूँ, विमला की यात्रा ▪ शुभा - मैं हूँ एक स्त्री, हम बोलती हैं ● **नाटक:** ▪ कनुप्रिया: धर्मवीर भारती: सेतु: मैं, तुम मेरे कौन हो कनु ▪ बहू: त्रिपुरारि शर्मा	15
III.	**साहित्य विमर्श – 2** ● **कहानियाँ:** हिरनी (चंद्रकिरन सौनरिक्सा), बादलों के घेरे (कृष्णा सोबती), खिड़की (ममता कालिया), अभी भी (चित्रा मुद्गल), पापा तुम्हारे भाई (शिल्पी) ● **उपन्यास:** इदन्नमम (मैत्रेयी पुष्पा)	15
IV.	**चिंतन** ● श्रृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा)	15

Texts / References	1. स्त्री उपेक्षिता अनुवादक-प्रभा खेतान, हिन्दी पॉकेट बुक्स 2. परिधि पर स्त्री- मृणाल पाण्डे, राजकमल प्रकाशन 3. नारी प्रश्न- सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 4. आधी आबादी: संदर्भ एवं प्रसंग - श्रद्धा सिंह

	5. साहित्य का नारीवादी पाठ- श्रद्धा सिंह 6. स्त्रियों की पराधीनता- जॉन स्टुअर्ट मिल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 7. स्त्री संघर्ष का इतिहास 1800-1990- राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. हिन्दी नवजागरण और स्त्री अस्मिता- सुनन्दा पराशर, अनन्या प्रकाशन 9. नारीवादी आलोचना- किंगसन सिंह पटेल, अनन्या प्रकाशन 10. उत्तरशती के उपन्यासों में स्त्री- डॉ शशिकला त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 11. स्त्रीत्व का मानचित्र – अनामिका, सारांश प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 12. स्त्रीत्व धारणाएँ एवं यथार्थ (स्त्री-प्रश्न पर हिन्दू दृष्टि से सभ्यतामूलक विमर्श)- प्रो0 कुसुमलता केडिया, प्रो0 रामेश्वरप्रसाद मिश्र 13. भारतीय नारीवाद स्थिति और सम्भावना-डॉ क्षमा शंकर पाण्डेय, श्रुति बुक्स, गाजियाबाद 14. भारतीय स्त्री : सांस्कृतिक संदर्भ- प्रतिभा जैन, संगीता शर्मा, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली 15. स्त्री – मुक्ति का सपना – सं कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 16. स्त्री के लिए जगह – सं राजकिशोर, वाणी प्रकाशन 17. बाजार के बीच : बाज़ार के खिलाफ – प्रभा खेतान, वाणी प्रकाशन 18. समकालीन कविता के प्रतिमान- वशिष्ठ 'अनूप', साहित्य भण्डार, प्रयाग 19. हिन्दी कविता के प्रमुख विमर्श- वशिष्ठ 'अनूप', प्रलेक प्रकाशन, दिल्ली 20. स्त्री – अधिकारों का औचित्य – साधन – मेरी वॉलस्टनक्राफ्ट, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 21. औरत : अस्तित्व और अस्मिता – अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन 22. हम सभ्य औरतें – मनीषा, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 23. ओ उब्बीरी- मृणाल पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी उत्तर आधुनिक दौर के विमर्शों से परिचित होंगे। स्त्री विमर्श के माध्यम से उनमें स्त्री की जिजीविषा, जीवन संघर्ष और अस्मितामूलक प्रश्नों के साहित्य के माध्यम से गहन समझ विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**अस्मितामूलक साहित्य- आदिवासी विमर्श (HINMJ 802-C)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को आदिवासियों के जीवन और सस्कृति से परिचित कराया जाएगा और आदिवासी कवियों, लेखकों और आलोचकों से परिचित कराया जाएगा साथ ही, आदिवासी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का ज्ञान कराया जाएगा।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**आदिवासी जीवन एवं साहित्य** ● आदिवासी: अवधारणा स्वरूप एवं परिभाषा ● आदिवासियों का जीवन और संस्कृति ● आदिवासी समाज के समक्ष चुनौतियाँ ● आदिवासी साहित्य की प्रमुख विधाएँ ● आदिवासी साहित्य की वैचारिकी ● आदिवासी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	15
II.	**भारत के क्रान्तिकारी आदिवासी** बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, बुधु भगत, सिधू मुर्मू, कान्हू मुर्मु, लक्ष्मण नाइक, राज मोहिनी देवी, रानी दुर्गावती, वीर नारायण सिंह, अल्लुरी सीतारमन, रानी गाइदिन्ल्यू, झलकारी बाई	15
III.	**आदिवासी उपन्यास एवं कहानी** ● जंगल के गीत : पीटर पाल एक्का (उपन्यास) ● वनकन्या : एलिस एक्का (कहानी) ● धोखा : मंगल सिंह मुंडा (कहानी) ● जंगल का जादू तिल-तिल : प्रत्यक्षा (कहानी)	15
IV.	**आदिवासी नाटक एवं कविता** ● हिरमा की अमर कहानी : हबीब तनबीर (नाटक) ● निर्मला पुतुल की कविताएँ : बिटिया मुर्मू के लिए, नगाड़े की तरह बजते शब्द, अपने घर की तलाश में ● वंदना टेटे की कविताएँ: हमारे बच्चे नहीं जानते तोतो-ने नोनो रे, पुरखों का कहन	15

Texts / References	
	1. आदिवासी चिंतन की भूमिका - गंगा सहाय मीणा, अनन्या प्रकाशन 2. आदिवासी अस्मिताः प्रभुत्व और प्रतिरोध- सं अनुज लुगुन, अनन्या प्रकाशन, 2015 3. भारत के आदिवासी- प्रकाश चंद मेहता 4. आदिवासी विद्रोह - केदार प्रसाद मीना, अनुज्ञा प्रकाशन, 2015 5. भारत की क्रांतिकारी आदिवासी औरतें- वासवी किडो, अनुज्ञा प्रकाशन

	6. आदिवासी लोक सस्कृति - कला जोशी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली 7. आदिवासी स्वर: संस्कार और प्रथाएँ- दत्त व बाजवा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005 8. आदिवासी साहित्य विमर्श -गंगा सहाय मीना, अनामिका पब्लिशर्स 9. आदिवासी विमर्श-रमेश चंद मीना, जे पी एच पब्लिकेशन, 2021 10. आदिवासी दस्तक- रमेश चंद मीना 11. आदिवासी लोक गीतों में संस्कृति- राम रतन प्रसाद 12. आदिवासी कहानी साहित्य और विमर्श – सं खन्नाप्रसाद अमीन, अनुज्ञा प्रकाशन 13. आदिवासी जीवन संस्कृति, संघर्ष और हिन्दी साहित्य- सत्यपाल शर्मा, प्रोग्रेसिव बुक सेंटर-वाराणसी 14. समकालीन कविता के प्रतिमान- वशिष्ठ 'अनूप', साहित्य भण्डार, प्रयाग
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप आदिवासी समाज के जीवन संघर्ष, उसकी विडम्बनाओं एवं विषमताओं से परिचित हो सकेंगे। साथ ही आदिवासियों की जीवनशैली में जल, जंगल और जमीन के महत्त्व को समझ सकेंगे। इसके अध्ययन से आपमें सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज के उत्थान के नवीन आयाम प्रशस्त करने की दृष्टि विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**अस्मितामूलक साहित्य – थर्ड जेण्डर विमर्श (HINMJ 802-D)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को लैंगिक विमर्श, थर्ड जेंडर और हिंदी साहित्य का ज्ञान कराया जाएगा। तृतीय लिंगी अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोंण को प्रसारित करना, तृतीय लिंगी समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति एवं उनके कारणों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण तथा सामाजिक उपलब्धियों, वैधानिक प्रयासों तथा साहित्य में तृतीय लिंगी अभिव्यक्तियों से परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	• थर्ड जेंडर: अवधारणा, जीवन और चुनौतियाँ • एल.जी.बी.टी.क्यू. का आशय एवं अवधारणा • थर्ड जेंडर के पौराणिक एवं ऐतिहासिक संदर्भ • आधुनिक संदर्भ: जीवन की चुनौतियाँ एवं संघर्ष	15
II.	• थर्ड जेंडरः समसामयिक परिवेश- थर्ड जेंडर मुक्ति आंदोलन, वैधानिक स्थिति (ट्रांसजेंडर: सर्वोच्च न्यायालय निर्णय 2014, ट्रांसजेंडर: संरक्षण अधिनियम 2019, भारत का राजपत्र 2020) • थर्ड जेंडरः प्रथम एचीवर्स (शबनम मौसी, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, ए. रेथी, लिविंग स्माइल विद्या, कलकी सुब्रमण्यम, नर्तकी नटराजन, के. प्रिथिका याशिनी, रोजी वेंकेटेशन, ऐश्वर्या रितुपर्णा प्रधान, निताशा बिस्वास, मधु बाई किन्नर, श्रीघटक, डॉ. मानोबी बंद्योपाध्याय, ज्योति मंडल, निष्ठा विश्वास, सत्यार्थी शर्मिला, गंगा कुमारी, जिया दास, इस्थर भारती)	15
III.	**हिंदी साहित्य में थर्ड जेंडर** **कहानी:** • बिंदा महाराज : शिवप्रसाद सिंह • ख़लीक अहमद बूआ: राही मासूम रज़ा • संझा : किरण सिंह **उपन्यास:** • यमदीप : नीरजा माधव • पोस्ट बाक्स नं. 203 नाला सोपारा : चित्रा मुद्गल • थर्ड जेंडर साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	15

IV.	**थर्ड जेंडर द्वारा रचित साहित्य** **कहानी:** ● व्यथा : विद्या राजपूत ● आखिरी सौगात : रवीना बरिहा ● ढाई आखर प्रेम का : संजना **उपन्यास/ आत्मकथा:** ● मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी : लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ● पुरुष तन में फँसा मेरा नारी मन : मानोबी बंद्योपाध्याय	15
Texts / References	1. वाड.मय, खण्ड 1, खण्ड 3 (त्रैमासिक हिंदी पत्रिका) - सं. एम. फीरोज़ 2. थर्ड जेंडर: अतीत और वर्तमान - सं. एम. फीरोज़ 3. थर्ड जेंडर विमर्श: दृष्टि एवं दृष्टिकोंण - सं. विनोद श्रीराम जाधव, विकास प्रकाशन, कानपुर 4. थर्ड जेंडर विमर्श- सं. शरद सिंह, सामायिक प्रकाशन 5. थर्ड जेंडर विमर्श – बंद गली से आगे - जी पी वर्मा, विकास प्रकाशन, कानपुर	
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप थर्ड जेंडर समाज के जीवन संघर्ष, उसकी विडम्बनाओं एवं विषमताओं से परिचित हो सकेंगे। साथ ही थर्ड जेंडर समाज की जीवनशैली को भी समझ सकेंगे। इसके अध्ययन से आपमें सामाजिक स्तर पर थर्ड जेंडर समाज के उत्थान के नवीन आयाम प्रशस्त करने की दृष्टि विकसित होगी।	

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**अनुवाद सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग (HINMJ 803-A)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम अनुवाद प्रक्रिया को समझकर साहित्य एवं साहित्येतर क्षेत्रों में अनुवाद की आवश्यकता को जानेंगे। अनुवाद की बढ़ती भूमिका और तकनीक के अनुप्रयोग से अनुवाद की चुनौतियों से भी परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**अनुवाद: परम्परा एवं प्रकृति** 1. परिभाषा, अर्थ और महत्त्व 2. नवजागरण काल और अनुवाद 3. अनुवाद का महत्त्व और उपयोगिता 4. अनुवाद प्रक्रिया 5. अनुवाद की सीमाएँ	15
II.	**अनुवाद की चुनौतियाँ और संभावनाएँ** 1. सर्जनात्मक और ज्ञान के साहित्य में आने वाली समस्याएँ (कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, जनसंचार, माध्यम, कार्यालयी बैंकिंग) 2. पुनरीक्षण और मूल्यांकन 3. मुहावरे और लोकोक्तियों का अनुवाद 4. अनुवादक के गुण, दायित्त्व और अपेक्षाएँ	15
III.	**अनुवाद : विविध आयाम** ● भारतीय साहित्य में अनुवाद की भूमिका ● बहुभाषिकता और अनुवाद ● शिक्षा में अनुवाद की भूमिका ● प्रशासन व्यवस्था में अनुवाद ● प्रशासनिक शब्दावली ● पारिभाषिक शब्दावली ● अनुवाद के प्रकार (आशु अनुवाद, सारानुवाद, भावानुवाद आदि) ● अनुवाद के अन्य रूप	15
IV.	**अनुवाद: अनुप्रयुक्त पक्ष** किसी अंग्रेजी पाठ का हिन्दी अनुवाद (निबन्ध, कहानी, लेख, आदि)	15

Texts / References	
	1. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, शब्दकार दिल्ली 2. हिन्दी अनुवाद - सिद्धान्त और प्रयोग -वासुदेव नंदन प्रसाद, 3. अनुवाद कला - सिद्धान्त और प्रयोग - कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन 4. अनुवाद विज्ञान :सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

	5. अनुवाद प्रक्रिया - रीता रानी पालीवाल, ललित दिल्ली 6. काव्यानुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्द कार दिल्ली 7. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. साहित्यानुवाद -संवाद और संवेदना - डॉ. आरसु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 9. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, जितेंद्र गुप्त, शब्द कार दिल्ली 10. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, कृष्ण कुमार गोस्वामी, अजीत लाल गुलाटी, शब्द कार दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के उपरान्त विद्यार्थी अनुवाद की जरूरत बहुभाषी समाज और अनुवाद, अनुवाद के विविध रूप और उसके अनुप्रयुक्त पक्ष को सीख पायेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**प्रयोजनमूलक हिन्दी (HINMJ 803-B)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी का वह स्वरुप भी समझ सकेंगे जो उसके सौन्दर्यपरक सर्जनात्मक आयाम से इतर सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन की उस व्यवस्था से जुड़ता है, और जो व्यक्तिपरक होकर भी समाज सापेक्ष होता है। हिन्दी का यह स्वरूप ही राजभाषा हिन्दी का मूल आधार है।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**स्वरुप और उद्देश्य** ● प्रयोजनमूलक हिन्दी तात्पर्य एवं स्वरुप ● ज्ञान-साहित्य एवं रचनात्मक साहित्य का अंतर ● ज्ञान-साहित्य में प्रयुक्त भाषा की विशिष्टता ● हिन्दी भाषा की व्यापक संकल्पना	15
II.	**प्रयुक्त प्रकार एवं प्रयोजन की दिशाएँ** ● प्रयुक्ति के सन्दर्भ में प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रकार एवं लक्षण ● कार्यालयी हिन्दी: राजभाषा (प्रयोग एवं भाषायी लक्षण); प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी आदि ● तकनीकी हिन्दी: प्रयोग एवं भाषाई लक्षण ● व्यावसायिक हिन्दी: प्रयोग एवं भाषाई लक्षण ● पारिभाषिक शब्दावली एवं उसके निर्माण के सिद्धांत	15
III.	**अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार** ● अनुवादः परिभाषा, स्वरूप और प्रक्रिया ● हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका ● कार्यालयी हिंदी और अनुवाद ● साहित्यिक अनुवादः सिद्धांत एवं व्यवहार संबंधित समस्याएँ	15
IV.	**पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन** ● समाचार लेखन-कला एवं समाचार के स्रोत ● रिपोर्टिंग, शीर्षक, रचना एवं उसका संपादन ● फीचर, साक्षात्कार, विज्ञापन लेखन, पटकथा	15

	• जनसंचार माध्यमों का स्वरूपः प्रिंट माध्यम, इलेक्ट्रोनिक माध्यम, न्यू मीडिया • पार्श्ववाचन (वॉयस ओवर) एवं ब्लॉग लेखन	
Texts / References	1. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग - डॉ दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन 2. कामकाजी हिन्दी - डॉ कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, 2021 3. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ- डॉ रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय,केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 4. राष्ट्रभाषा और हिन्दी- डॉ राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 5. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग- गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद 6. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा 7. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता- हरी बाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 8. प्रयोजनमूलक हिन्दी :सिद्धांत और व्यवहार- रघुनन्दन प्रसाद शर्मा 9. मीडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार- चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन 10. मीडिया के सिद्धांत- एन सी पन्त, तक्षशिला प्रकाशन, 2023 11. संचार एवं मीडिया शोध- डॉ विनीता गुप्ता, वाणी प्रकाशन 2023	
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी के प्रयोजनपरक स्वरूप, जो विज्ञान, तकनीकी,विधि, संचार एवं अन्य कार्यालयीन गतिविधियों में प्रयुक्त होता है, से परिचित हो सकेंगे।	

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**आधुनिक हिन्दी साहित्य का वैचारिक आधार (HINMJ 803-C)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र में हम आधुनिक हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं में निहित कुछ महत्त्वपूर्ण वैचारिक आधारों से परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**महात्मा गाँधी** पाठ्य पुस्तक 'हिन्द स्वराज्य' से निम्नलिखित पाठ ● स्वराज्य क्या है? ● सत्याग्रह-आत्मबल	15
II.	**रवीन्द्रनाथ ठाकुर** पाठ्य पुस्तक 'रवीन्द्रनाथ के निबंध –भाग एक/ दो' से निम्नलिखित पाठ ● भारतवर्ष में इतिहास की धारा ● काव्य की उपेक्षिताएँ	15
III.	**अम्बेडकर और लोहिया** पाठ्य पुस्तक 'जातिभेद का उच्छेद' से निम्नलिखित पाठ ● सामाजिक सुधार बनाम राजनीतिक सुधार ● मेरा आदर्श समाज पाठ्य पुस्तक 'भारतमाता धरतीमाता' से निम्नलिखित पाठ ● राम, कृष्ण और शिव ● हिन्दी, अंग्रेजी और देशी भाषाएँ	15
IV.	**राहुल सांकृत्यायन और वासुदेव शरण अग्रवाल** पाठ्य पुस्तक 'दिमागी गुलामी' से निम्नलिखित पाठ ● दिमागी गुलामी ● शिक्षा में आमूल परिवर्तन पाठ्य पुस्तक 'पृथिवी पुत्र' से निम्नलिखित पाठ ● जनपदीय अध्ययन की आँख ● धरती	15

Texts / References	
	1. महात्मा गांधी :जीवन और दर्शन - रोमां रोला, लोकभारती प्रकाशन 2. महात्मा और कवि- सव्यसाची भट्टाचार्य (सं), नेशनल बुक ट्रस्ट 3. राममनोहर लोहिया: जीवन और दर्शन- इन्दुमती केलकर, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स 4. गांधी, अम्बेडकर, लोहिया और भारतीय इतिहास की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. लोहिया के विचार- ओंकार शरद, लोकभारती प्रकाशन 6. रवीन्द्रनाथ ठाकुर- शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादमी, दिल्ली

	7. रवीन्द्रनाथ ठाकुर: एक जीवनी- कृष्ण कृपलानी, नेशनल बुक ट्रस्ट 8. वासुदेवशरण अग्रवाल: रचना संचयन- कपिला वात्स्यायन, साहित्य अकादमी, दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल के हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में निहित वैचारिक आधारों को समझ सकेंगे और इन विचारों के मुखर प्रस्तोता व्यक्तित्वों के सम्बन्धित रचनाओं से भी परिचित होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**पर्यावरण और साहित्य (HINMJ 803-D)**
Category of Course	Major
Course Objectives	पर्यावरण पर चर्चा वर्तमान समय में हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण के घटकों से परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**सिद्धांत पक्ष** ● पर्यावरण: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप ● पर्यावरण: महत्व एवं संरक्षण ● पर्यावरण के घटक ● पर्यावरण और पारिस्थितिकी का अन्तःसम्बन्ध ● औद्योगीकरण एवं पर्यावरण प्रदूषण ● प्राकृतिक एवं मनुष्यकृत प्रदूषण ● हिंदी साहित्य एवं पर्यावरण का अन्तःसम्बन्ध	15
II.	**हिंदी काव्य: पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य** ● नागार्जुन- बादल को घिरते देखा है ● भवानी प्रसाद मिश्र - सतपुड़ा के जंगल ● राजेश जोशी- पानी की आवाज ● विश्वनाथ प्रसाद तिवारी- आरा मशीन ● लीलाधर मंडलोई- पॉलिथिन की थैलियाँ ● मंगलेश डबराल-घटती हुई ऑक्सीजन ● नरेश सक्सेना- एक वृक्ष भी बचा रहे। ● स्वप्निल श्रीवास्तव - परिंदे ● सुरेन्द्र काले- नदी के शब्द ● ज्ञानेंद्रपति- झारखंड के पहाड़ों का अरण्य रोदन ● नईम - वनों को निर्वृक्ष होते देखना	15

□III.	**हिंदी नाटक: पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य** ● कामना - जयशंकर प्रसाद	15
IV.	**हिंदी कथा साहित्य: पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य** **कहानी:** ● मेहता नगेन्द्र सिंह - वृक्ष दधीचि ● एस. आर. हरनोट - एक नदी तड़पती है ● जयश्री राय - खारा पानी **उपन्यास:** ● भगवतीशरण मिश्र - लक्ष्मण रेखा	15

Texts / References	1. पर्यावरण और हिंदी साहित्य – डॉ प्रभाकरण देब्वार इल्लत, वाणी प्रकाशन 2. साहित्य में पर्यावरण एवं विमर्श- डॉ घनश्याम भारती, डॉ ओकेंद्र, डॉ राकेश सिंह रावत, राजस्थान प्रकाशन 3. हिंदी का पर्यावरणीय साहित्य - डॉ प्रभाकरण देब्वार इल्लत, वाणी प्रकाशन 4. आधुनिक जीवन और पर्यावरण- दामोदर शर्मा, हरिचंद व्यास, प्रभात प्रकाशन 5. पर्यावरण विज्ञान- डॉ विजय कुमार त्रिपाठी, एस चंद एंड कंपनी, नई दिल्ली
Learning Outcomes	हिंदी के अनेक साहित्यकारों ने अपने लेखन के माध्यम से पर्यावरणीय चेतना को जगाने की दिशा में जाने-अनजाने महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में अभिव्यक्त पर्यावरणीय चेतना की समझ विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (संस्कृत) (HINMJ 804-A)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत भाषा एवं व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। संस्कृत के दो महत्वपूर्ण ग्रंथों के एक-एक भाग का ज्ञान कराया जायेगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	रघुवंशम्: कालिदास (द्वितीय सर्ग)	15
II.	पंचतंत्र : मित्र सम्प्राप्ति	15
III.	**व्याकरण** ● स्वर संधि: दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि ● व्यंजन संधि: श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व ● समास: अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु और बहुब्रीहि	15
IV.	● शब्द रूप: राम, हरि, गुरु, फल, बालिका ● धातु रूप: भू, पठ्, गम् (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधि लिङ् और लृट् लंकार) ● सर्वनाम रूप: अस्मद्, युष्मद् ● छन्द ज्ञान: वर्णिक वृत्त- (इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, वसन्ततिलका, मंदाक्रांता, शार्दूलविक्रीड़ित) ● मालिनी: वसन्ततिलका	15

Texts / References	1. रघुवंशम् महाकाव्य (सम्पूर्ण) – मोतीलाल बनारसी दास, मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली 2. सम्पूर्ण पंचतंत्र- विष्णुशर्मा, मैपल प्रेस 3. संस्कृत व्याकरण – विवेक बुक डिपो, इलाहाबाद 4. संस्कृत प्रवेशिका – सुदर्शन लाल जैन, तारा बुक एजेंसी, वाराणसी 5. सम्पूर्ण पंचतंत्र - (अनुवादक एवं संपादक) ओमप्रकाश शर्मा, मनोज पब्लिकेशन, दिल्ली 6. काव्यांग कौमुदी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नदकिशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी 7. चंद्रालोक – सुधा एवं छंदोंमंजरी – सुधा- विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप संस्कृत भाषा एवं साहित्य के महत्त्व को समझ सकेंगे, साथ ही संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (पालि) (HINMJ 804-B)**
Category of Course	Major
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी को पालि भाषा का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। पालि व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा। पालि के दो महत्वपूर्ण ग्रंथों के एक-एक भाग का ज्ञान कराया जायेगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	पालि जातकावलि- पं. बटुकनाथ शर्मा (1 से 12 जातक तक)	15
II.	धम्मपद – भिक्षुधर्मरक्षित (1 से 12 जातक तक)	15
III.	व्याकरण ● स्वर संधि – सोरो लेपे सरे, परो वाचि, न द्वे वा युवण्णानमे ओ लुप्ता, यवा सरे, ए ओ नं, गोस्सावड्.। ● व्यंजन संधि – व्यंजने दीघरस्सा, सरम्हा द्वे, चतुत्थदुतियेस्वेसं ततिय पठमा, वितिस्सेवे वा, एओनम वण्णे। ● समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु और बहुब्रीहि।	15
IV.	● नाम रूप - दंडी, गो, लता, रति, इत्थी, धेनु, वधु ● शब्द रूप- बुद्ध, फल, लता, मुनि। ● धातु रूप- भू, पठ्, गम् ● सर्वनाम रूप- अम्ह, तुम्ह । ● छन्द ज्ञान- वर्णिक वृत्त-इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा ● मालिनी- वसन्ततिलका	15

Texts / References	1. पालि महाव्याकरण-भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधि महासभा 2. पालि संग्रह- डॉ रविनाथ मिश्र 3. धम्मपद, भिक्षुधर्म रक्षित 4. पालि जातकावलि- पं. बटुकनाथ शर्मा
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप पालि भाषा एवं साहित्य के महत्त्व को समझ सकेंगे, साथ ही पालि व्याकरण का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (अपभ्रंश) (HINMJ 804-C)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी साहित्य के आरंभिक विकास को समझने के लिए अपभ्रंश भाषा और साहित्य से परिचित होना आवश्यक है। हिन्दी साहित्य की धाराओं का मूल आधार अपभ्रंश साहित्य में मिलता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिन्दी साहित्य की इस आधार भित्ति का अध्ययन करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**अपभ्रंश भाषा का परिचय** ● अपभ्रंश भाषा का उद्भव और विकास ● अपभ्रंश की प्रकृति और परवर्ती अपभ्रंश ● अपभ्रंश से हिन्दी का उद्भव और विकास	15
II.	**अपभ्रंश साहित्य का परिचय** ● अपभ्रंश साहित्य : पुराण काव्य, चरित काव्य, कथा काव्य, श्रृंगार काव्य, सिद्ध साहित्य ● अपभ्रंश और हिन्दी का साहित्यिक सम्बन्ध	15
III.	**सरहपा और देवसेन** ● हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग- नामवर सिंह पुस्तक में संकलित सरहपा और देवसेन के सभी दोहे	15
IV.	**हेमचन्द्र और अब्दुर्रहमान** ● हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग- नामवर सिंह पुस्तक में संकलित हेमचन्द्र के आठ दोहे (संख्या 77, 82, 89, 92, 97, 129, 130, 157) और अब्दुर्रहमान के सभी दोहे	15

Texts / References	1. अपभ्रंश साहित्य - हरिवंश कोछड़, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली 2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग- नामवर सिंह, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 3. अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अंतर्यात्रा - शम्भुनाथ पाण्डेय, चौखंभा ओरियन्टालिया, वाराणसी 4. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन- वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस चंद एंड कंपनी प्रा. लि., नई दिल्ली 5. अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव- रामसिंह तोमर
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य के महत्त्व को समझ सकेंगे, साथ ही अपभ्रंश व्याकरण का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**विशेष अध्ययन : भारतीय भाषाएँ (उर्दू) (HINMJ 804-D)**
Category of Course	Major
Course Objectives	हिन्दी और उर्दू साहित्य की साहित्यिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एक रही है। विभाजक भाषा नीति के कारण यह मान लेने पर भी कि हिन्दी और उर्दू भिन्न भाषाएं हैं। व्याकरण और साहित्यिक-सांस्कृतिक परिवेश की समानता इन दोनों भाषाओं के साहित्य में सहज दिखती है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम उर्दू के प्रतिनिधि साहित्यकारों का परिचय प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**उर्दू भाषा और साहित्य का परिचय** ● उर्दू भाषा का विकास ● उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय ● हिन्दी और उर्दू साहित्य का सम्बन्ध	15
II.	**मीर, नज़ीर अकबराबादी और ग़ालिब** ● मीर: उल्टी हो गई सब तदबीरें, पत्ता-पत्ता बूटा-बूटा, देख तो दिल कि जां से उठता है ● नज़ीर: आदमीनामा, बंजारानामा ● ग़ालिब**:** कोई उम्मीद बर नहीं आती, बस कि दुश्वार है, दर्द मिन्नत कश-ए-दवा न हुआ	15
III.	**इकबाल, फिराक गोरखपुरी और फ़ैज़ अहमद फ़ैज़** ● इकबाल: नया शिवालय, चांद मेरे वीराने से, सरमाया व मेहनत-बंदा-ए-मजबूर ● फिराक गोरखपुरी: थरथरी सी है आस्मानों में, गैर क्या जानिये क्यों मुझको बुरा कहते हैं, आधी रात को ● फैज़: रक़ीब से, दरबार-ए-वतन में, निसार मैं तेरी गलियों के	15
IV.	**उर्दू कहानी –मंटो, राजिंदर सिंह बेदी और इस्मत चुग़ताई** ● मंटो – टेटवाल का कुत्ता ● राजिंदर सिंह बेदी – लाजवंती ● इस्मत चुग़ताई – एक शौहर की ख़ातिर	15

Texts / References	1. उर्दू के प्रतिनिधि शायर और उनकी शायरी – वशिष्ठ अनूप, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन 2. उर्दू साहित्य का इतिहास – एहतेशाम हुसैन, अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिन्द), अलीगढ 3. उर्दू - साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन 4. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी, हिन्दी समिति सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप उर्दू भाषा एवं साहित्य के महत्त्व को समझ सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**लघु शोध प्रबंध (HINMJ 805)**
Category of Course	Major
Course Objectives	साहित्य का गहन ज्ञान और अनुसंधान के लिए लागू वैज्ञानिक तरीकों और तकनीकों की व्यापक समझ और साथ ही वर्तमान अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	1. इस प्रश्नपत्र में छात्रों को किसी निर्धारित विषय पर शोध-प्रविधि तथा शोध-मूल्य का अनुपालन करते हुए कम-से-कम दस हजार शब्दों में एक शोध प्रबन्ध लिखना होगा। 2. यह शोध-प्रबंध अनुसंधित्सु को किसी शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में पूरा करना होगा।	
II.		
III.		
IV.		

Texts / References	
Learning Outcomes	इस लघु शोध-प्रबन्ध को पूरा करने के बाद विद्यार्थी अनुसंधान की योजना और कार्यान्वयन में स्वायत्त रूप से कार्य करने में सक्षम हो सकेंगे और उनमें शोध की क्षमता, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता, विषय विश्लेषण की क्षमता का भी विकास होगा।

Minor Papers

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**भक्तिकाव्य (HINMR 101)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	हिन्दी का भक्ति काव्य पूर्ववर्ती काव्य परम्परा से प्रेरणा ग्रहण करता है और परवर्ती काव्य परम्परा पर भी इसका गहरा प्रभाव है। इस दृष्टि से भक्तिकाव्य का अध्ययन समूची हिन्दी काव्य परम्परा का स्पष्ट परिप्रेक्ष्य निर्मित करता है। इस प्रश्न पत्र में हम हिन्दी भक्तिकाव्य के विभिन्न स्वरूपों से परिचित हो सकेंगे और निर्गुण तथा सगुण भक्तिकाव्य के दार्शनिक तथा सामाजिक आधारों को भी समझ सकेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**कबीरदास** पाठ्य-पुस्तक 'कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी' से निम्नलिखित पद मोकों कहां ढूंढे बंदे मैं तो तेरे पास में, हंसा करो पुरातन बात, मन मस्त हुआ तब क्यों बोले, मन ना रंगाए रंगाए जोगी कपड़ा, माया महा ठगिनि हम जानी, साधो एक रूप सब मांहीं	15
II.	**सूरदास** पाठ्य-पुस्तक 'सूरसागरसार – संपादक धीरेन्द्र वर्मा' से निम्नलिखित पद अबिगत गति कछु कहत न आवै, हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ, मेरो मन अनत कहां सुख पावै, जसोदा हरि पालनै झुलावै, आजु मैं गाइ चरावन जैहौं, बूझत स्याम कौन तुम गोरी	15
III.	**तुलसीदास** पाठ्य-पुस्तक 'रामचरितमानस – गीताप्रेस, गोरखपुर' से निम्नलिखित अंश अरण्यकांड से दोहा संख्या 34 से 36 (नवधा भक्ति प्रसंग)	15
IV.	**मीरा** पाठ्य-पुस्तक 'मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी' से निम्नलिखित अंश राणाजी म्हाने या बदनामी लगे मीठी, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, मीरां मगन भई हरि के गुण गाय, हेरी म्हा दरद दिवाणां म्हारां दरद न जाण्यां कोय, सखी म्हारी नींद नसाणी हो, मैं गिरधर के घर जाऊं	15

Texts / References

न, नई दिल्ली

2. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मध्यकालीन काव्य साधना – वासुदेव सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
4. कबीर: पद पच्चीसी – भाष्यकार-वासुदेव सिंह, कला मंदिर, दिल्ली
5. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
6. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
7. अयोध्या कांड भाष्य – वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद
8. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
10. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित, ज्ञान मंडल, वाराणसी
11. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

	12. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन 13. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय – पुरूषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 14. भक्ति का संदर्भ – देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 15. भक्ति आंदोलन और काव्य – गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 16. तुलसी के हिय हेरि – विष्णुकान्त शास्त्री, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 17. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास – रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 18. सन्त कबीर – रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 19. मीराबाई की पदावली – परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 20. मीरा की प्रेमसाधना – भुवनेश्वरनाथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 21. भक्ति का विकास – मुंशीराम शर्मा, चौखंभा विद्या भवन, वाराणसी 22. महाकवि सूरदास – नन्ददुलारे वाजपेयी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 23. तुलसीदास का काव्य-विवेक और मर्यादाबोध – कमलानंद झा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 24. कबीर बीजक का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – शुकदेव सिंह, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी 25. कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 26. पंचरंग चोला पहिर सखी री – माधव हाडा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के उपरान्त आप : 1. हिन्दी की भक्ति कविता की सामान्य विशेषताओं का परिचय पाएंगे 2. भक्ति कविता की भाषा और शिल्प की विशेषताओं का परिचय पाएंगे

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी कहानी (HINMR 201)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	हिन्दी की गद्य विधाओं में कहानी अपने विधागत गुणों के चलते सर्वाधिक लोकप्रिय रही है। इस पाठ्यक्रम में हम हिंदी कहानी के प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर दौर और नई कहानी के दौर की कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और उसकी विकसित प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। यहाँ बीसवीं सदी की कहानी के उपर्युक्त काल खंडों की बारह कहानियों के माध्यम से उनकी व्याख्यात्मक और समीक्षात्मक समझ विकसित करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**हिंदी कहानी का सामान्य परिचय** ● विधा के रूप में कहानी की अवधारणा ● कहानी समीक्षा की पारिभाषिक शब्दावली ● हिंदी कहानी की परंपरा: प्रमुख प्रवृत्तियाँ	15
II.	**उसने कहा था (चंद्रधरशर्मा 'गुलेरी')** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **पुरस्कार (जयशंकरप्रसाद)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ ● चरित्र सृष्टि का आदर्श ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **कहानीकाप्लाट (शिवपूजनसहाय)** ● पितृसत्तात्मक संरचना और स्त्री सरोकार ● नारी जागरण की प्रतिध्वनि ● कथानक में नवाचार और शिल्पगत महत्ता **सद्गति (प्रेमचंद)** ● कथावस्तु और सामाजिक यथार्थ ● कहानी में दलित सरोकार ● शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य	15
III.	**परदा (यशपाल)** ● वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ	15

	• कहानी में सामाजिक यथार्थ • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **जाह्नवी (जैनेंद्र)** • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि • कहानी कला का वैशिष्ट्य **रोज (अज्ञेय)** • मध्यवर्गीय नारी जीवन और परिवार • कवि-दृष्टि का प्रभाव • कहानी कला का वैशिष्ट्य **मुगलोंनेसल्तनतबख़्शदी (भगवतीचरणवर्मा)** • इतिहास-बोध और कहानी • कथानक में व्यंग्य की अंतर्धारा • कला का वैशिष्ट्य	
IV.	**रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु)** • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि का आदर्श • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **डिप्टी कलक्टरी (अमरकांत)** • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि • कहानी कला का वैशिष्ट्य **मलबे का मालिक (मोहन राकेश)** • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि का आदर्श • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य **यही सच है (मन्नू भंडारी)** • वस्तुगत और कथात्मक उपलब्धियाँ • चरित्र सृष्टि का आदर्श • शिल्प विधान: कलात्मक वैशिष्ट्य	15
Texts / References	8. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 9. हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश – मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 10. कहानी: नयी कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 11. आधुनिक हिन्दी कहानी – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 12. हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चैधरी , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली	

	13. हिन्दी कहानी: अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 14. हिन्दी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी यह जानेंगे कि विधा के रूप में हिंदी कहानी अवधारणा, विकास और प्रवृत्तियों से परिचित हांगे। साथ ही कहानी की समीक्षा के लिए विकसित परिभाषिक शब्दावली द्वारा हिंदी की दस प्रतिनिधि कहानियों की समीक्षा करना सीखेंगे। यह भी जानेंगे कि कहानी का इतिहास, समय और समाज से गहरा संबंध है। प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से कहानी के विधागत महत्त्व को जान सकेंगें।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**कथेतर हिन्दी साहित्य (HINMR 301)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	हिन्दी गद्य लेखन के क्षेत्र में कथा साहित्य के अतिरिक्त अन्य अनेक विधाओं में भी लेखन हुआ, जैसे कि- यात्रा साहित्य, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी आदि। इन गद्य विधाओं को कथेतर गद्य के नाम से जाना जाता है। इस पाठ्क्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी की प्रमुख कथेतर गद्य विधाओं से अवगत कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**यात्रा साहित्य** ● सौन्दर्य की नदी नर्मदा-अमृतलाल बेगड़ (उत्तर तट - छिनगांव से अमरकंटक) ● मेरी तिब्बत यात्रा- राहुल सांकृत्यायन (आरंभिक अंश) ● यात्रा और साहित्य ● यात्रा के सांस्कृतिक सन्दर्भ ● भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से यात्रा साहित्य का महत्व	15
II.	**संस्मरण/रेखाचित्र** ● अतीत के चलचित्र : महादेवी वर्मा रामा: कथ्य और शिल्प,चरित्रगत विशेषताएँ ● माटी की मूरतें: रामवृक्ष बेनीपुरी रजिया: कथ्य और शिल्प , चरित्रगत विशेषताएँ संस्मरण साहित्य में स्मृति की महत्ता एवं यथार्थ की पुनर्रचना	15
III.	**आत्मकथा** ● अपनी खबर- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र ● अपनी खबर में व्यक्ति और समाज ● भाषा एवं शिल्प	15
IV.	**जीवनी** ● आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर ● कथ्य और शिल्प ● जीवनी साहित्य में व्यक्ति और समाज का चित्र	15

Texts / References	6. आधुनिक हिन्दी साहित्य: विविध आयाम - आचार्य रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 7. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 8. महादेवी वर्मा: जगदीश गुप्त, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

	9. अतीत था वर्तमान: अमर्त्य सेन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली 10. औपनिवेशिक भारत में सांस्कृतिक और विचारधारात्मक संघर्ष, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आप हिंदी के कथेतर साहित्यिक विधाएँ, जैसे- यात्रा साहित्य, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी आदि से परिचित हो सकेंगे और आपमें इन विधाओं के लेखन की प्रतिभा विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**आधुनिक हिन्दी कविता (HINMR 401)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख सरोकारों से परिचित कराया जाएगा । साथ ही आधुनिक हिन्दी कविता के पाठ द्वारा काव्य-प्रवृत्तियों, शिल्पगत विशेषताओं एवं महत्वपूर्ण पक्षों की जानकारी भी दी जाएगी ।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा (मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर)** ● मैथिलीशरण गुप्त - साकेत नवम सर्ग से: निरखि सखी ये खंजन आए, दोनों ओर प्रेम पलता है ● माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला ● सुभद्रा कुमारी चौहान -वीरों का कैसा हो बसंत, स्वदेश के प्रति ● रामधारी सिंह दिनकर - हिमालय, जनतंत्र का जन्म ● राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा ● राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक चेतना ● आर्य समाज के सुधारवादी आंदोलन और गाँधी जी के स्वाधीनता आंदोलन का प्रभाव, मानवतावादी दृष्टिकोण	15
II.	**छायावादी कविता-1 (जयशंकर प्रसाद और निराला)** ● जयशंकर प्रसाद -अरी वरुणा की शांत कछार, बीती विभावरी जाग री, वे कुछ दिन कितने सुंदर थे, तुमुल कोलाहल कलह में, अरुण यह मधुमय देश हमारा ● निराला - जागो फिर एक बार, राजे ने अपनी रखवाली की, बादलराग, पहला खंड, तोड़ती पत्थर ● छायावादी काव्यः काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास ● प्रमुख प्रवृत्तियाँ ● राष्ट्रीय चेतना ● प्रकृति चित्रण की विशेषता ● शिल्प विधान	15
III.	**छायावादी कविता-2 (सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा)** ● सुमित्रानंदन पंत - प्रथम रश्मि, परिवर्तन, नौका बिहार, भारत माता ग्राम वासिनी ● महादेवी वर्मा - बसंत रजनी, मैं नीर भरी दुख की बदली, यह मंदिर का दीप, मधुर मधुर मेरे	15

	दीपक जल, जाग तुझको दूर जान, वे मुस्काते फूल नहीं ● पंत की काव्यकला ● प्रकृति चित्रण ● काव्य भाषा ● महादेव वर्मा के काव्य की अंतर्वस्तु ● प्रमुख प्रवृत्तियाँ ● गीति तत्व	
IV.	**उत्तर छायावादी कविता (हरिवंश राय बच्चन, गोपाल सिंह नेपाली, नरेंद्र शर्मा, शिवमंगल सिंह 'सुमन')** ● हरिवंशराय बच्चन - जो बीत गई सो बात गई, मुझे पुकार लो ● गोपाल सिंह नेपाली - हिमालय और हम, मेरा धन है स्वाधीन कलम ● नरेंद्र शर्मा - आज के बिछुड़े, क्या मुझे पहचान लोगी ● शिवमंगल सिंह 'सुमन'- हम पंछी उन्मुक्त गगन के, वरदान माँगूंगा नहीं ● काव्य संसार एवं काव्य दृष्टि ● रचनाशीलता	15

Texts / References	8. छायावाद- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 10. राष्ट्र वाणी- सं. वासुदेव सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 11. हिन्दी कविता: छायावाद के बाद- डॉ. नीरज, डॉ. शिवानी सक्सेना, नटराज प्रकाशन, दिल्ली 12. छायावादोत्तर हिन्दी कविता - रामदरश मिश्र, पुनीत बुक्स, 2016 13. छायावादोत्तर हिन्दी कविता में प्रगतिशीलता – डॉ . शशिबाला मौर्य, कला प्रकाशन, वाराणसी 14. संस्कृति, भाषा और राष्ट्रवाद - रामधारी सिंह 'दिनकर', यश पब्लिकेशन- नई दिल्ली
Learning Outcomes	हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक तीन कालखंड कविता केन्द्रित रहे हैं। आधुनिक काल में कविता के समानान्तर गद्य की विविध विधाओं का भी उत्कर्ष दिखाई पड़ता है। इस दृष्टि से आधुनिक हिन्दी कविता के गहन अध्ययन से विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य विशेषत: कविता के विस्तृत परिसर की समझदारी विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास – (आदिकाल एवं मध्यकाल) (HINMR 501)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	हिन्दी साहित्य के इतिहास का अध्ययन हिन्दी साहित्य के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करता है और हिन्दी साहित्य के विकासक्रम को समझने का एक स्पष्ट आधार भी देता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिन्दी साहित्य के विकास के आदिकाल एवं मध्यकाल का परिचय प्राप्त करेंगे और साहित्यिक प्रवृत्तियों को जानेंगे। साथ ही हिन्दी भाषा के इतिहास का सामान्य ज्ञान भी प्राप्त करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**हिंदी भाषा का आरम्भ और विकास** ● हिंदी भाषा का उद्भव और विकास ● हिन्दी का विस्तार क्षेत्र ● हिंदी की विविध बोलियों का संक्षिप्त परिचय ● खड़ी बोली हिन्दी का विकास	15
II.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन** ● हिन्दी साहित्येतिहास: लेखन की आधार भूत सामग्री और स्रोत ● हिन्दी साहित्येतिहास: काल विभाजन और नामकरण की समस्याएँ ● हिन्दी के प्रमुख इतिहास लेखकों की इतिहास दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सुमन राजे	15
III.	**आदिकाल एवं भक्तिकाल** ● आदिकालीन साहित्य : पृष्ठभूमि और सामान्य विशेषताएँ ● भक्ति आंदोलन की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ● भक्तिकालीन काव्य का वर्गीकरण ● प्रमुख भक्तिकालीन कवियों का सामान्य परिचय ● भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ	15
IV.	**रीतिकाल** ● रीतिकाल की सामाजिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ● नामकरण एवं समय सीमा ● रीतियुगीन काव्य का वर्गीकरण	15

	• रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ • रीतिकालीन काव्यधारा – प्रमुख कवियों का काव्य वैशिष्ट्य	
Texts / References	1. साहित्य और इतिहास दृष्टि -मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – योगेंद्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. साहित्य का इतिहास दर्शन -नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली 4. इतिहास और आलोचना -नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल, प्रभात प्रकाशन 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 7. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , 8. हिन्दी साहित्य का इतिहासलेखन- प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई 9. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – वासुदेव सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 10. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ 11. परम्परा का मूल्यांकन -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 12. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक दो कालखंडों की जानकारी प्राप्त करेंगे और साहित्य के अध्ययन में साहित्य के इतिहास की भूमिका से भी अवगत होंगे।	

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**हिन्दी साहित्य का इतिहास – (आधुनिक काल) (HINMR 601)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	हिन्दी साहित्य के इतिहास का अध्ययन हिन्दी साहित्य के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करता है और हिन्दी साहित्य के विकासक्रम को समझने का एक स्पष्ट आधार भी देता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिन्दी साहित्य के विकास के आधुनिक कालखंड का परिचय प्राप्त करेंगे और साहित्यिक प्रवृत्तियों को भी जानेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**आधुनिक काल का उदय – भारतेन्दु युग** ● हिंदी और उर्दू ● हिन्दी गद्य का प्रवर्तन ● हिन्दी साहित्य में आधुनिकता के आरंभ की परिस्थितियां ● 1857 का स्वाधीनता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण ● भारतेन्दु युगीन हिन्दी साहित्य	15
II.	**आधुनिक काल का विकास – द्विवेदी युग** ● महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग ● द्विवेदी युगीन हिन्दी काव्य ● द्विवेदी युगीन हिन्दी गद्य	15
III.	**स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों का विकास** ● काव्य प्रवृत्तियाँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि ● गद्य विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध का आरम्भ और विकास	15
IV.	**स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों का विकास** ● हिन्दी कविता के प्रमुख आंदोलन ● हिन्दी कहानी के प्रमुख आंदोलन	15

Texts / References	
	1. साहित्य और इतिहास दृष्टि -मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली , 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – योगेंद्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. साहित्य का इतिहास दर्शन -नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली 4. इतिहास और आलोचना -नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल, प्रभात प्रकाशन 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 7. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 8. हिन्दी साहित्य का इतिहासलेखन- प्रभात मिश्र, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई

	9. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ 10. परम्परा का मूल्यांकन -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 11. हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास - वशिष्ठ अनूप, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 12. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास के उत्तरवर्ती दो कालखंडों की जानकारी प्राप्त करेंगे और साहित्य के अध्ययन में साहित्य के इतिहास की भूमिका से भी अवगत होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**नाटक एवं रंगमंच (HINMR 701)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से नाटक एवं रंगमंच की समझ विकसित करते हुए आधुनिक हिन्दी नाटक के प्रमुख सरोकारों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**हिन्दी नाटक: विविध आयाम** ● रंगमंचीय अवधारणा ● हिंदी रंग परंपरा ● यथार्थवादी और गैर यथार्थवादी रंगमंच ● रंगभाषा	15
II.	**हिन्दी नाटक: स्वतंत्रता पूर्व** **अंधेर – नगरी : भारतेन्दु हरिश्चंद्र** ● कथ्य एवं शिल्प ● प्रासंगिकता ● व्यंग्य और लोक का जीवंत मुहावरा ● वैष्णव भक्ति **ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद** ● कथ्य और शिल्प ● स्त्री प्रश्न ● रंग – परिकल्पना ● भाषिक संरचना ● चरित्र – सृष्टि	15
III.	**स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक** **आधे – अधूरे : मोहन राकेश** ● साठोत्तरी भारतीय परिदृश्य में पारिवारिक विघटन ● कामकाजी स्त्री का संघर्ष ● अधूरेपन की त्रासदी ● रंग – भाषा **संशय की एक रात : नरेश मेहता** ● अंतर्वस्तु और रूप	15

	• रंगभाषा • मिथकीय संदर्भ • काव्य नाटक की विशेषताएँ	
IV.	**समकालीन हिन्दी नाटक** **जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ: असग़र वजाहत** • अंतर्वस्तु और रूप • विभाजन की त्रासदी • रंगभाषा **बापू : नंदकिशोर आचार्य** • एकल प्रस्तुति की विशेषताएँ • अंतर्वस्तु और रूप • गाँधी – विचार	15

Texts / References	15. पहला रंग – देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन 16. रंगभाषा- गिरीश रस्तोगी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली, 1999 17. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन 18. हिंदी नाटक और रंगमंच: नयी दिशाएँ, नये प्रश्न – गिरीश रस्तोगी 19. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचन्द्र जैन, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, 1978 20. जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, 1939 21. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, 1990 22. प्रसाद के नाटक: स्वरुप और संरचना – गोविन्द चातक, ,, 1989 23. मोहन राकेश, रंग-शिल्प और प्रदर्शन – डॉ. जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन 24. मोहन राकेश व उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन 25. नई रंग-चेतना और हिन्दी नाटककार – जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन 26. समकालीन हिन्दी रंगमंच और रंगभाषा – आशीष त्रिपाठी, शिल्पायन 27. आधुनिक भारतीय रंगलोक – जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 28. रंगमंच के सिद्धांत – महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के उपरान्त विद्यार्थियों में नाटक एवं रंगमंच के अन्योन्याश्रित संबंध की समझ विकसित हो जायेगी। वे रंगभाषा के साथ-साथ नाट्य पाठ का समुचित विश्लेषण भी कर सकेंगे। साथ ही अन्तर्विषयक पाठ्यक्रम होने की वजह से दृश्य, श्रव्य, संगीत, नृत्य, शिल्प आदि के विषय में भी जानकारी प्राप्त करेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	60	04	60

Course Title	**अस्मितामूलक साहित्य (HINMR 801)**
Category of Course	Minor
Course Objectives	हिंदी का साहित्य सर्वसमावेशी होने के कारण मानव मात्र की पीड़ा के प्रति संवेदनशील रहा है। अतः इस प्रश्नपत्र में दलितों, स्त्रियों और आदिवासियों की चिंताओं, दुख-दर्द, आशा और आकांक्षाओं को केन्द्र में रखकर रचे गये साहित्य से हम परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकी** ● दलित की अवधारणा और हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श ● स्त्री विमर्श की अवधारणा ● आदिवासी जीवन संस्कृति, संघर्ष	15
II.	**कविता** ● शंबूक - कँवल भारती ● पद्मा सचदेव- कलम ● निर्मला पुतुल - नगाड़े की तरह बजते शब्द	15
III.	**कहानी** ● ओमप्रकाश वाल्मीकि - पच्चीस चौका डेढ़ सौ ● कृष्णा सोबती - बादलों के घेरे ● एलिस एक्का - वनकन्या	15
IV.	**उपन्यास** ● जयप्रकाश कर्दम - छप्पर ● पीटर पाल एक्का - जंगल के गीत	15

Texts / References

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन
2. दलित साहित्य में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना - श्योराज सिंह बेचैन
3. आज का दलित साहित्य - डॉ तेज सिंह, आतिश प्रकाशन
4. चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य - डॉ. श्योराज सिंह बेचैन, डॉ. देवेंद्र चौबे, नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग
5. उत्तर सदी के हिन्दी कथा साहित्य में दलित विमर्श – श्योराज सिंह बेचैन, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीबूटर्स, नई दिल्ली
6. समकालीन कविता के प्रतिमान- वशिष्ठ 'अनूप', साहित्य भण्डार, प्रयाग
7. हिन्दी कविता के प्रमुख विमर्श- वशिष्ठ 'अनूप', प्रलेक प्रकाशन, दिल्ली
8. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरीनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
9. स्त्री उपेक्षिता अनुवादक-प्रभा खेतान, हिन्दी पॉकेट बुक्स

	10. परिधि पर स्त्री- मृणाल पाण्डे, राजकमल प्रकाशन 11. नारी प्रश्न- सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 12. आधी आबादी: संदर्भ एवं प्रसंग - श्रद्धा सिंह 13. साहित्य का नारीवादी पाठ- श्रद्धा सिंह 14. स्त्रियों की पराधीनता- जॉन स्टुअर्ट मिल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 15. स्त्री संघर्ष का इतिहास 1800-1990- राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 16. हिन्दी नवजागरण और स्त्री अस्मिता- सुनन्दा पराशर, अनन्या प्रकाशन 15. आदिवासी चिंतन की भूमिका - गंगा सहाय मीणा, अनन्या प्रकाशन 16. आदिवासी अस्मिताः प्रभुत्व और प्रतिरोध- सं अनुज लुगुन, अनन्या प्रकाशन 17. भारत के आदिवासी- प्रकाश चंद मेहता 18. आदिवासी विद्रोह - केदार प्रसाद मीना, अनुज्ञा प्रकाशन 19. भारत की क्रांतिकारी आदिवासी औरतें- वासवी किडो, अनुज्ञा प्रकाशन 20. आदिवासी लोक सस्कृति - कला जोशी, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली 21. आदिवासी स्वर: संस्कार और प्रथाएँ- दत्त व बाजवा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 22. आदिवासी साहित्य विमर्श -गंगा सहाय मीना, अनामिका पब्लिशर्स
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप हिंदी का साहित्य के अन्तर्गत दलित साहित्य, स्त्री साहित्य और आदिवासी साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। इसके अध्ययन से आपमें मानवीय संवेदना, करुणा, दया आदि भावनाओं का विस्तार होगा।

T	P	L	C	H
√	X	60	04	60

Course Title	**साहित्यिक शोध (HINMR 802)**	
Category of Course	Minor Course	
Course Objectives	साहित्य एक सर्जनात्मक विधा है। यही कारण है कि साहित्यिक शोध अन्य ज्ञानानुशासनों में शोध से भिन्न अर्थ-संदर्भ रखता है। इस पाठ्यक्रम से साहित्यिक शोध की समझ विकसित होगी और विद्यार्थियों में साहित्यिक शोध के विविध आयामों, प्रकारों, प्रविधियों और चुनौतियों की समझ विकसित होगी।	
Course Content		
Units	**Course Content**	**Hr. Of Teaching**
I	**साहित्यिक शोध** परिभाषा, अवधारणा और महत्त्व साहित्यिक शोध की सामग्री (प्राथमिक, द्वितियक तथा अन्य) शोध-अनुशासन, सोद्देश्य निरीक्षण, पूर्व ज्ञान का पुन: स्मरण, प्राक्कल्पना	15
II	**साहित्यिक शोध के प्रकार** सैद्धांतिक शोध, पाठ्य शोध, ऐतिहासिक शोध, व्याख्यात्मक शोध, अंतःविषयक शोध	15
III	**साहित्यिक शोध की प्रविधि** विषय चयन, रूपरेखा बनाने की विधि, अध्यायों का खंड विभाजन और क्रमांकन की पद्धतियां, उपसंहार एवं उपलब्धि प्रस्तुति, संदर्भ, फ़ुटनोट, अनुक्रमण, ग्रंथ सूची	15

IV	**साहित्यिक शोध की संभावनाएं एवं चुनौतियां** शोध और समालोचना में साम्य-वैषम्य साहित्यिक शोध और साहित्येतिहास का सम्बन्ध साहित्यिक शोध का वर्तमान परिप्रेक्ष्य	15
Texts/ References	1. साहित्यिक शोध- प्रविधि एवं व्याप्ति, उमा शुक्ल तखा माधुरी छेड़ा, अरविन्द प्रकाशन 2. शोध प्रविधि, विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 3. साहित्यिक शोध में समय, समाज औऱ संस्कृति, राकेश नारायण द्विवेदी, नोशन प्रेस, चेन्नई 4. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 5. अनुसंधान पद्धिति की विवेचना- डी. आर. भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर सा 6. अनुसंधान की समस्याएँ- डॉ ओम प्रकाश, आर्य बुक डिपो, करोलबाग, नई दिल्ली 7. अनुशीलन शोध विशेषांक- भारतीय हिंदी परिषद्, इलाहाबाद विश्वविद्यालय	
Learning outcomes	इसके अध्ययन से साहित्य की विविध विधाओं से सम्बन्धित शोध की दिशा में कुशलतापूर्वक बढ़ा जा सकता है। यह पाठ्यक्रम अच्छी तरह से परिभाषित शोध-प्रश्न के निर्माण के लिए भी आवश्यक है।	

Multi-Disciplinary Courses (MD)

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**साहित्य एवं सिनेमा (HINMD 101)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	सिनेमा बीसवीं सदी का सर्वश्रेष्ठ कला माध्यम है। साहित्य से हिन्दी सिनेमा का संबंध आरंभ से ही रहा है। इन दोनों माध्यमों की अपनी-अपनी विशेषताओं की वजह से उनके पारस्परिक संबंधों ने सिनेमा की अनेक कलात्मक और सोद्देश्य संभावनाओं को उद्घाटित किया है, जिससे सिनेमा की सामाजिक उपादेयता नए आयामों के साथ विकसित हुई है। साहित्य की तरह सिनेमा भी मानवीय और जनतांत्रिक समाज के निर्माण का पक्षधर रहा है। इस प्रश्न पत्र में सिनेमा विधा के सामान्य परिचय के साथ हिन्दी की कुछ साहित्यिक कृतियों के सिनेमाई रूपांतरण की प्रक्रिया में आवश्यक तुलनात्मक बिंदुओं को जान सकेंगे। यह जान सकेंगे कि साहित्य किस तरह अच्छे और कलात्मक सिनेमा के लिए आधारभूत रूप से प्रेरक है। यहाँ विद्यार्थी साहित्य एवं सिनेमा जैसे प्रभावशाली माध्यमों की पारस्परिकता और मूल्यांकन द्वारा उनकी महत्त्वपूर्ण सामाजिक और परिवर्तनकारी भूमिका की पहचान करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	1. कला माध्यम के रूप में सिनेमा के विविध आयाम, सिनेमा निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया: सामान्य परिचय 2. भारत में हिंदी सिनेमा के उदय और विकास की संक्षिप्त रूपरेखा: मूक सिनेमा का दौर, बोलती फिल्मों का आरंभ और विकास, स्वतंत्रता के बाद हिन्दी सिनेमा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ 3. समानांतर सिनेमा या कला सिनेमा, साहित्य और सिनेमा का अंतः संबंध, सिनेमा की समाजिक भूमिका	15
II.	1. कथा साहित्य और सिनेमा: प्रेमचंद, अमृतलाल नागर, भगवती चरण वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु की कृतियों के सिनेमाई रूपांतरण का आकलन 2. हिन्दी गीतों की सिनेमा में उपस्थिति, हिन्दी के प्रमुख गीतकारों का सिनेमा की लोकप्रियता और सार्थकता में अवदान 3. साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा के निर्माण में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एन. एफ. डी. सी.) की भूमिका	15
III.	कृति में लेखक और सिनेमा में निदेशक की भूमिका के संदर्भ में साहित्य एवं सिनेमा के विभिन्न रचनात्मक और कलात्मक पक्षों का मूल्यांकन - 1. पाठ-पाठांतर /साहित्य-सिनेमा (कहानी) ● सद्गति (प्रेमचंद) - सद्गति (सत्यजित राय) ● तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफ़ाम (फणीश्वरनाथ रेणु) - तीसरी कसम (बासु भट्टाचार्य) 2. पाठ-पाठांतर /साहित्य-सिनेमा (उपन्यास) ● चित्रलेखा (भगवती चरण वर्मा) - चित्रलेखा (केदार शर्मा) (वर्ष 1964 में निर्मित	15

	फिल्म) 3. पाठ-पाठांतर /साहित्य-सिनेमा (नाटक) • यहूदी की लड़की (आगा हश्र कश्मीरी) - यहूदी की लड़की (विमल राय)	
Texts / References	1. सिनेमा: कल, आज, कल - विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. सिनेमा की यात्रा (सं.) पंकज शर्मा (समय से संवाद श्रृंखला), नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 3. सिनेमा और समाज - विजय अग्रवाल, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली 4. सिनेमा समय - विष्णु खरे, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 5. नया सिनेमा - विनोद भारद्वाज, रूपा एंड कंपनी, नई दिल्ली 6. भारतीय सिनेमा का अंतःकरण- विनोद दास, मेधा बुक्स, दिल्ली 7. सिनेमा को पढ़ने के तरीके - विष्णु खरे, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली 8. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र - जवरीमल्ल पारख, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली	
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन के बाद आप यह जान सकेंगे कि साहित्य किस तरह अच्छे और कलात्मक सिनेमा के लिए आधारभूत रूप से प्रेरक है। यहाँ विद्यार्थी साहित्य एवं सिनेमा जैसे प्रभावशाली माध्यमों की पारस्परिकता और मूल्यांकन द्वारा उनकी महत्त्वपूर्ण सामाजिक और परिवर्तनकारी भूमिका की पहचान करेंगे।	

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं हिन्दी साहित्य (HINMD 102)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान साहित्य किस तरह राजनीति और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा था- इससे परिचित कराया जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में उपन्यास और कविताओं के साक्ष्य से सामाजिक राजनीतिक गतिविधियों में साहित्य की भागीदारी के एक गौरवशाली अध्याय से परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**स्वाधीनता और साहित्य** ● स्वाधीनता संघर्ष और साहित्य की सहयात्रा ● भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद युग की कविताओं में स्वाधीनता संघर्ष ● भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद युग के गद्य साहित्य में स्वाधीनता संघर्ष ● राष्ट्रीय काव्य धारा के कवि	15
II.	**कर्मभूमि (प्रेमचंद)** ● स्वाधीनता आंदोलन और महात्मा गाँधी ● कर्मभूमि उपन्यास में गाँधीवादी दर्शन ● स्वाधीनता आंदोलन में दलित, स्त्री एवं मुस्लिम समाज की भागीदारी ● कर्मभूमि उपन्यास में दलित, स्त्री एवं मुस्लिम समाज की भागीदारी के संदर्भ	15
III.	**राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि** ● मैथिलीशरण गुप्त (‘भारत-भारती’ के अतीत खंड से ‘हमारी सभ्यता’ ● सुभद्रा कुमारी चौहान (राखी, वीरों का कैसा हो वसन्त) ● माखनलाल चतुर्वेदी (युग ध्वनि, पुष्प की अभिलाषा) ● रामधारी सिंह दिनकर (हिमालय के प्रति, जनतंत्र का जन्म)	15

Texts / References

1. आजादी के बाद भारत - विपिन चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारत की आधी सदी: स्वप्न और यथार्थ- पूरनचंद जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश , लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश - मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
6. हिन्दी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
7. उपन्यास: स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. उपन्यास: मूल्यांकन के नये आयाम - (सं.) प्रभाकर सिंह, प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, वाराणसी

Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन के बाद आप यह जान सकेंगे कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और साहित्य का आपसी सम्बन्ध किस प्रकार का था। विद्यार्थी प्रमुख विधाओं की कृतियों की परख करते हुए, स्वतंत्र भारतीय समाज के निर्माण में साहित्य की भूमिका की पहचान कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी साहित्य (HINMD 103)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में स्वतंत्रता की व्यापक अवधारणा लोकतंत्र की छाया तले विकसित हुई है। हिन्दी का साहित्य जनतांत्रिक समाज के निर्माण का पक्षधर रहा है। समाज और जनता के पक्ष में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए हिन्दी की कृतियाँ जवाबदेह रही हैं। उनमें जनता के दुःख-दर्द और आकांक्षाओं का चित्रण हआ है। हिन्दी की साहित्यिक विधाओं में लोकतांत्रिक व्यवस्था का आलोचनात्मक पाठ मौजूद है। इस पाठ्यक्रम में प्रमुख विधाओं (कविता, कहानी, उपन्यास और नाटक) की कृतियों की परख करते हुए, लोकतांत्रिक समाज के निर्माण में साहित्य की भूमिका और उसके माध्यम से अवरोधक कारकों की पहचान करेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी कविता** निम्नलिखित निर्धारित पाँच कविताओं में क्रमशः स्वाधीन भारत का यथार्थ और लोकतांत्रिक भावबोध का विश्लेषण और मूल्यांकन: ● आओ रानी हम ढोएंगे पालकी ● रोटी और संसद ● देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता ● अधिनायक ● बच्चे काम पर जा रहे हैं	15
II.	**भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी कथा साहित्य** **1. भोलाराम का जीव** ● आज़ाद देश में नौकरशाही और भ्रष्टाचार ● फैंटेसी का व्यंग्य शिल्प और यथार्थ ● लोकतांत्रिक पक्षधरता का मूल्यांकन **2. सजा** ● स्वाधीन देश की न्याय व्यवस्था ● शीर्षक में कथ्य का निहितार्थ ● लोकतांत्रिक मूल्यों का मूल्यांकन **3. राग दरबारी** ● स्वातंत्र्योत्तर भारत का गँवई और कस्बाई यथार्थ ● व्यवस्था का विद्रूप और व्यंग्य का महत्त्व	15

	• लोकतांत्रिक पक्षधरता का मूल्यांकन	
III.	**भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी नाटक** **1. ताजमहल का टेंडर** • नौकरशाही का स्याह चेहरा • भ्रष्टाचार पर व्यंग्य • नाट्य वस्तु और नाट्य शिल्प • रंगमंचीय लोकप्रियता का मूल्यांकन	15
Texts / References	1. आजादी के बाद भारत - विपिन चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. भारत की आधी सदी: स्वप्न और यथार्थ- पूरनचंद जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 4. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश , लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 5. हिन्दी कहानी: अस्मिता की तलाश - मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 6. हिन्दी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 7. उपन्यास: स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. उपन्यास: मूल्यांकन के नये आयाम - (सं.) प्रभाकर सिंह, प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, वाराणसी	
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करने के बाद आप यह जानेंगे कि हिन्दी की विभिन्न विधाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है। यह जानेंगे कि लोकतांत्रिक समाज के निर्माण में साहितय किस प्रकार लोकतंत्र के विरोधी कारकों की पहचान करता है। यह भी जानेंगे कि साहित्यिक विधाओं की संवेदना में उन विरोधी कारकों के उन्मूलन की आंकाक्षा है। जनतांत्रिक समाज की पक्षधरता परिभाषित होती है।	

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**साहित्य, मिथक और इतिहास (HINMD 201)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिंदी साहित्य और इतिहास के अंतः संबंध को समझेंगे। इस प्रक्रिया में मिथकों की रचनात्मक भूमिका से भी परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**सम्राट अशोक (दया प्रकाश सिन्हा)** ● कथावस्तु की ऐतिहासिकता ● चरित्र चित्रण ● भाषा- शैली ● रंगमंचीयता ● कल्पना और यथार्थ	15
II.	**झाँसी की रानी (वृंदावनलाल वर्मा)** ● कथावस्तु की ऐतिहासिकता ● चरित्र चित्रण ● कल्पना और यथार्थ ● भाषा-शैली	15
III.	**महाराणा का महत्त्व (जयशंकर प्रसाद)** ● कथ्य एवं प्रतिपाद्य ● भाषा-शैली ● ऐतिहासिकता और कल्पना **कैकेयी का अनुताप (मैथिलीशरण गुप्त)** ● कथ्य एवं प्रतिपाद्य ● भाषा-शैली ● ऐतिहासिकता और मिथकीयता	15

Texts / References	
	1. हिंदी उपन्यास- शिवनाराणय श्रीवास्तव 2. उपन्यास - स्थिति और गति- चंद्रकांत बांदिवडेकर 3. उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय 4. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास - दशरथ ओझा 5. रंग परंपरा - नेमिचंद्र जैन 6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता- प्रभाकर श्रोत्रिय

	7. प्रसाद की कविता - प्रेमशंकर 8. मैथिलीशरण गुप्त - रेवती रमण 9. नाटककार दया प्रकाश सिन्हा- समीक्षायन- रवींद्रनाथ बहोरे 10. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त: रामधारी सिंह दिनकर
Learning Outcomes	साहित्य का गहरा सम्बन्ध मिथक और इतिहास से होता है, वहीं यह भी सच है कि साहित्य की अर्थवत्ता मिथक से मुक्ति की चेष्टा में ही निहित होती है। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी इस द्वन्द्व को समझ सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**स्त्री जीवन एवं साहित्य (HINMD 202)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	विद्यार्थी स्त्री – जीवन के विविध पक्षों को साहित्यिक विधाओं के माध्यम से देखने – समझने का प्रयास करेंगे। इस क्रम में सामाजिक संस्थाओं में स्त्री की स्थिति का अध्ययन भी किया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**(कहानी)** **1. घासवाली : प्रेमचंद** ● कथ्य एवं शिल्प ● कहानी कला ● स्त्री – चेतना **2. ऐ लड़की : कृष्णा सोबती** ● पीढ़ी अंतराल का प्रश्न ● स्त्री – संदर्भ ● भाषिक संरचना ● लंबी कहानी की विशेषताएँ	15
II.	**(नाटक)** **माधवी : भीष्म साहनी** ● मिथकीय कथा का आधुनिक संदर्भ ● स्त्री – प्रश्न ● नाट्य – भाषा ● माधवी का आत्मसंघर्ष	15
III.	**(उपन्यास)** **एक जमीन अपनी : चित्रा मुद्गल** ● कथ्य और शिल्प ● औपन्यासिक कला ● चरित्र – योजना ● स्त्री – प्रश्न	15

Texts / References	1. कहानी नयी कहानी- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन 2. कमलेश्वर - नयी कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

	3. हिंदी कहानी और स्त्री- विमर्श – डॉ. उषा झा, साक्षी प्रकाशन, जयपुर 4. प्रेमचंद के नारी पात्र – ओम अवस्थी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 5. समकालीन हिन्दी कथा लेखिकाएँ – रामकली सराफ़, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी 6. समकालीन हिन्दी कहानी – पुष्पपाल सिंह 7. हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा, डॉ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन 8. स्त्री- पुरुष : कुछ पुनर्विचार – राजेन्द्र यादव 9. स्त्रीवादी विमर्श, समाज और साहित्य – क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन 10. स्त्री का प्रतिरोध : चित्रा मुद्गल के उपन्यास 'एक जमीन अपनी' – विजयश्री के.वी., जवाहर पुस्तकालय 11. चित्रा मुद्गल: एक मूल्यांकन – के. वनजा, सामयिक बुक्स- नई दिल्ली 12. हिंदी नाटक और रंगमंच – इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली 13. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – डॉ गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़ 14. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच – गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी उत्तर आधुनिक दौर के विमर्शों से परिचित होंगे। स्त्री विमर्श के माध्यम से उनमें स्त्री की जिजीविषा, जीवन संघर्ष और अस्मितामूलक प्रश्नों के साहित्य के माध्यम से गहन समझ विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**आदिवासी जीवन एवं साहित्य (HINMD 203)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	आदिवासी विमर्श हिंदी साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण विमर्श है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम हिंदी के इस महत्त्वपूर्ण विमर्श से अवगत होकर इसके साहित्यिक विकास से भलीभांति परिचित हो सकेंगे।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**आदिवासी साहित्य** ● आदिवासी साहित्य की अवधारणा ● आदिवासी साहित्य : स्वरूप और प्रकृति ● आदिवासी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	15
II.	**हिंदी का आदिवासी साहित्य : कवि और कविता** ● सुशीला समद- आह, हार ● महादेव टोप्पो- रचने होंगे ग्रंथ, प्रजातंत्र में ● निर्मला पुतुल- आओ मिलकर बचाएं, उतनी दूर बिहाना मत बाबा ● हरिराम मीणा – बिरसा मुंडा की याद में, सरदार सरोवर में डूबा आदिवासी भविष्य	15
III.	**हिंदी का आदिवासी साहित्य : कहानीकार और कहानी** ● एलिस एक्का- वनकन्या ● पीटरपॉल एक्का- बड़ी दीदी ● रोज केरकेट्टा- भँवर ● रामदयाल मुंडा- खरगोशों का कष्ट **हिंदी का आदिवासी साहित्य : उपन्यासकार और उपन्यास** ● मोज़ुर्म लोई – मिनाम	15

Texts / References

1. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन- वंदना टेटे, प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन, राँची
2. आदिवासी चिंतन की भूमिका- गंगा सही मीणा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
3. आदिवासी साहित्य विमर्श- गंगा सही मीणा, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली
4. आदिवासी विमर्श- डॉ. रमेश चन्द्र मीणा(सं.), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
5. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी -रमणिका गुप्ता(सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिवासी लेखन- एक उभरती चेतना- रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय आदिवासी : एक सिंहावलोकन - लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा. जयभारती प्रकाशन,
8. आदिवासी साहित्य यात्रा- रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. आदिवासी समाज और साहित्य- स्नेहलता नेगी(सं.), अनुज्ञा बुक्स,दिल्ली
10. आदिवासी कौन- रमणिका गुप्ता(सं.), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

	11. लोकप्रिय आदिवासी कहानियाँ-वंदना टेटे(सं.), प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 12. आदिवासी दर्शन और साहित्य- वंदना टेटे, नोशन प्रेस 13. हिंदी में आदिवासी साहित्य- इसपाक अली, साहित्य संस्थान 14. मरंङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा-अश्विनी कुमार पंकज, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 15. आदिवासियत और मैं- जयपाल सिंह मुंडा, अनुवाद- अश्विनी कुमार पंकज,प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन, राँची 16. झारखण्ड के आदिवासियों के बीच- वीर भारत तलवार, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 17. झारखण्ड आंदोलन के दस्तावेज(दो खंड)- वीर भारत तलवार, नवारुण प्रकाशन, गाजियाबाद 18. झारखण्ड में मेरे समकालीन- वीर भारत तलवार,अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली 19. जयपाल सिंह मुंडा और आदिवासी राजनीति- कमल नयन चौबे, प्रतिमान, जनवरी-दिसंबर, 2021, संयुक्तांक 17-18, प्रधान संपादक-रविकांत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 20. आदिधरम- रामदयाल मुंडा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 21. मिनाम – मोजुर्म लोई, बोधी प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप आदिवासी समाज के जीवन संघर्ष, उसकी विडम्बनाओं एवं विषमताओं से परिचित हो सकेंगे। साथ ही आदिवासियों की जीवनशैली में जल, जंगल और जमीन के महत्त्व को समझ सकेंगे। इसके अध्ययन से आपमें सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज के उत्थान के नवीन आयाम प्रशस्त करने की दृष्टि विकसित होगी।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**सृजनात्मक लेखन (HINMD 301)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम सृजनात्मकता और भाषाई कौशल विकसित करेंगे। हम अपने विचारों के प्रभावी प्रस्तुतिकरण, सृजनात्मक लेखन और मीडिया लेखन की भी समझ विकसित कर सकेंगे।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**सृजनात्मक लेखन : अर्थ और स्वरूप** ● सृजनात्मक लेखन का अर्थ और स्वरूप ● सृजनात्मक लेखन और परिवेश ● सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण	15
II.	**सृजनात्मक लेखन : भाषिक संदर्भ** ● भाव और विचार का भाषा में रूपांतरण ● साहित्यिक भाषा तथा मीडिया की भाषा का वैशिष्ट्य ● संक्षेपण एवं पल्लवन	15
III.	**सृजनात्मक लेखन : विविध आयाम** कविता, कहानी, रिपोर्ताज, संवाद, विज्ञापन, पटकथा, फीचर, साक्षात्कार, समीक्षा (फिल्म, नाटक, खेल आदि)	15

Texts / References	1. रचनात्मक लेखन- रमेश गौतम 2. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम - रघुवंश 3. लेखन एक प्रयास- हरीश चन्द्र काण्डपाल 4. छोटे पर्दे का लेखन- हरीश नवल 5. काव्यभाषा : रचनात्मक सरोकार- राजमणि शर्मा 6. पटकथा लेखन -मनोहर श्याम जोशी 7. पत्रकारिता सर्जनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया- अरुण कुमार भगत, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
Learning Outcomes	बदलते समय-समाज के साथ साहित्य विधाओं की प्रकृति भी बदलती है और विभिन्न विधाओं में अन्तरावलम्बन भी होता है। तकनीकी विकास के साथ-साथ दृष्य-श्रव्य विधाओं की पहुंच भी बढ़ी है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी इन विधाओं में आवश्यक सृजनात्मक लेखन क्षमता का विकास कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**हिन्दी भाषा और अनुप्रयोग (HINMD 302)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी को सामान्य हिन्दी का विशेष ज्ञान प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण का समुचित ज्ञान प्राप्त होगा। हिन्दी के अशुद्ध शब्दों एवं वाक्यगत अशुद्धियों का शोधन किया जाएगा। शब्द-रचना और वाक्य-रचना का ज्ञान कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**हिन्दी भाषा एवं अनुप्रयोग** स्वरूप, तत्व, कार्य, अर्थबोध, संकेतग्रह के साधक और बाधक, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण	15
II.	**शब्द रचना** शब्दों का गठन एवं संरचक तत्व, शब्द और पद, व्याकरणिक कोटियाँ (उपसर्ग, प्रत्यय, परसर्ग, लिंग, काल, वचन, वृत्ति, पुरुष, वाच्य)	15
III.	**वाक्य रचना** वाक्य और उपवाक्य, वाक्य और वाक्यों के संरचक तत्व (पद, पदबंध, उद्देश्य और विधेय, पदक्रम और अन्विति) वाक्य के आवश्यक गुण, वाक्य भेद, शब्दों की अशुद्धियाँ, वाक्य रचना की अशुद्धियाँ, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	15

Texts / References	1. हिन्दी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी 2. संक्षिप्त हिन्दी व्याकरण-कामता प्रसाद गुरु 3. हिन्दी भाषा- हरदेव बाहरी
Learning Outcomes	इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी शब्द-रचना और वाक्य-रचना का ज्ञान हासिल कर सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**लोक साहित्य (HINMD 303)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	लोक साहित्य और मानव जीवन का घनिष्ठ संबंध है। यह समाज और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। आज लोक जीवन की विपुल संपदा और विरासत हमारे परिवेश से विस्थापित हो रही है। ऐसे समय में विविध बोलियों और उनके लोक साहित्य पर संकट मँडरा रहा है। नई पीढ़ी को अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक अस्मिता और विरासत की पहचान के लिए लोक साहित्य से परिचय और जुड़ाव आवश्यक है।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	• लोक क्या है? 'लोक' और 'वेद' तथा 'लोक' और 'शिष्ट' में अंतर, लोक साहित्य: आशय, अवधारणा, महत्त्व और परंपरा • लोक साहित्य का वर्गीकरण और लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं का सामान्य परिचय, लोक साहित्य और समाज, लोक साहित्य और लोक संस्कृति • लोक गीत और उनके विविध रूप	15
II.	• लोक कथा और उनके विविध रूप, लोक कथा और लोक मिथक का अंत:संबंध, निजंधरी कथा और लोक कथा में अंतर • लोक नाट्य और उसके विविध रूप • लोक वार्ता और जनश्रुति, लोक सुभाषित और लोक ज्ञान	15
III.	हिंदी की प्रमुख बोलियों के निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचयात्मक आकलन : • भोजपुरी: भिखारी ठाकुर • अवधी: रमई काका • ब्रज: जगन्नाथदास रत्नाकर • बुंदेली: ईसुरी • मगही: शेषानंद 'मधुकर' • मैथिली: आरसी प्रसाद सिंह	15

Texts / References

1. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रयागराज
2. लोक मिथक: मूल्य और सौंदर्य दृष्टि - श्यामसुंदर दुबे, विजया बुक्स, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य ज्ञान कोष - (प्रधान संपादक) शंभुनाथ, खंड-7, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भोजपुरी लोक साहित्य - कृष्णदेव उपाध्याय
5. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम – डॉ. शांति जैन
6. लोक साहित्य का अध्ययन - त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
7. बुंदेली भाषा का परिचय एवं इतिहास - बहादुर सिंह परमार, म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
8. लोक: परंपरा, पहचान और प्रवाह - श्यामसुंदर दुबे, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी लोक साहित्य की अवधारणा, परंपरा और उसके विविध आयामों से परिचित होंगे। यह जान सकेंगे कि लोक साहित्य की अपनी देशज अस्मिता और विरासत को जानने-समझने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**अनुवाद : विविध आयाम (HINMD 401)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	विद्यार्थियों को अनुवाद के विविध प्रकारों से परिचित कराया जाएगा, साथ ही सर्जनात्मक साहित्य एवं समाचार – पत्र के अंशों का व्यावहारिक अनुवाद भी कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	• अनुवाद के विविध प्रकार • अनुवादक के गुण • पुनरीक्षण, मूल्यांकन सर्जनात्मक एवं ज्ञान के साहित्य के अनुवाद में आनेवाली समस्याएँ (कविता, कथा साहित्य, नाटक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य, बैंकिंग, कार्यालयी)	15
II.	• किसी एक हिन्दी में अनूदित कहानी का पाठ, पुनरीक्षण एवं समीक्षा • किसी एक हिन्दी में अनूदित कविता का पाठ, पुनरीक्षण एवं समीक्षा किसी एक हिन्दी में अनूदित नाटक का पाठ, पुनरीक्षण एवं समीक्षा	15
III.	• समाचार – पत्रों में से कुल पाँच अंशों का हिन्दी अनुवाद • मुहावरे एवं लोकोक्तियों का अनुवाद एवं अनुवाद में आने वाली समस्याएँ • व्यक्तिनाम, पदनाम और संक्षिप्ताक्षरों के अनुवाद में आने वाली समस्याएँ	15

Texts / References	1. अनुवाद विज्ञान – (सं) डॉ नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 2. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – (सं) डॉ रवींद्रनाथ श्रीवास्तव तथा अन्य, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 3. अनुवाद : विविध आयाम – (सं) मणिक गोपाल चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 4. बैंकों में अनुवाद की समस्याएँ – डॉ भोलानाथ तिवारी एवं डॉ श्रीनिवास द्विवेदी, शब्दकार, दिल्ली 5. अनुवाद : अवधारणा और अनुप्रयोग – (सं) चंद्रभान रावत तथा डॉ दिलीप सिंह, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद 6. ट्रांसलेशन टुडे – (सं) डॉ उदयनारायण सिंह, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के उपरान्त विद्यार्थी अनुवाद की जरूरत बहुभाषी समाज और अनुवाद, अनुवाद के विविध रूप और उसके अनुप्रयुक्त पक्ष को सीख पायेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**हिंदी नाटक एवं रंगमंच (HINMD 402)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	हिंदी विषयेतर विद्यार्थियों को हिंदी नाटक की समृद्ध विरासत से परिचित कराना और नाटक एवं रंगमंच के अन्योन्याश्रित संबंध से अवगत कराना।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चंद्र** ● कथ्य एवं शिल्प ● शीर्षक का औचित्य ● भाषा ● राष्ट्रीयता	15
II.	**बकरी : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना** ● कथ्य और शिल्प ● भाषिक संरचना ● प्रतीकात्मकता	15
III.	**बटोही : हृषीकेश सुलभ** ● कथ्य और शिल्प ● पारंपरिक रंग – शैली ● भाषा ● भिखारी ठाकुर का जीवन संघर्ष **बापू : नंदकिशोर आचार्य** ● कथ्य और शिल्प ● एकल प्रस्तुति ● गाँधी – विचार	15

Texts / References	
	1. रंगभाषा- गिरीश रस्तोगी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली, 1999 2. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन 3. हिंदी नाटक और रंगमंच: नयी दिशाएँ, नये प्रश्न – गिरीश रस्तोगी 4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचन्द्र जैन, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, 1978 5. दलित विमर्श : नाटक तथा रंगमंच – (सं) डॉ. उमाकांत बिरादार, डॉ. विजकुमार रोडे, दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स कानपुर 6. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच – गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ 7. हिंदी रंगमंच की लोकधारा - जावेद अख्तर खाँ, वाणी प्रकाशन 8. परंपराशील नाट्य- जगदीशचंद्र माथुर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय- दिल्ली

	9. हिंदी नाटक और रंगमंच – इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली 10. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – डॉ गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थियों में नाटक एवं रंगमंच के अन्योन्याश्रित संबंध की समझ विकसित हो जायेगी। वे रंगभाषा के साथ-साथ नाट्य पाठ का समुचित विश्लेषण भी कर सकेंगे। साथ ही अन्तर्विषयक पाठ्यक्रम होने की वजह से दृश्य, श्रव्य, संगीत, नृत्य, शिल्प आदि के विषय में भी जानकारी प्राप्त करेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	45	03	45

Course Title	**कार्यालयी हिन्दी (HINMD 403)**
Category of Course	Multidisciplinary
Course Objectives	कार्यालयी हिन्दी का मुख्य उद्देश्य संचार को सुगम और सुविधाजनक बनाना है । इसका उपयोग लोगों के बीच व्यापारिक प्रस्तुतियों, सामग्री के वितरण, संदेशों का प्रसार आदि के लिए किया जाता है । इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्यालयी हिन्दी के सभी व्यावहारिक पक्षों से अवगत कराया जाएगा ।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरुप, उद्देश्य एवं क्षेत्र** ● कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य, कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध एवं अन्तर, कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी ● हिन्दी के प्रयोजनमूलक सन्दर्भ, कार्यालयी, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि विषयों का सम्यक परिचय ● राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान ● शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली, प्रशासनिक, विधिक एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली, पदनाम एवं अनुभाग	15
II.	**कार्यालयी हिन्दी, पत्राचार एवं हिन्दी का मानकीकरण** ● पत्राचार, आवेदन पत्र, शासकीय एवं अर्धशासकीय पत्र: प्रारूप व विशेषताएँ - कार्यालयी आदेश, परिपत्र, अधिसूचना ● कार्यालयी ज्ञापन, विज्ञापन, निविदा, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयी पत्र: प्रारूप एवं विशेषताएँ ● प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति; टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अन्तर ● संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धान्त, पल्लवन और निबन्ध लेखन में अन्तर ● प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग ● हिन्दी भाषा का मानकीकरण	15
III.	**कंप्यूटर एवं इंटरनेट में हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग** ● कंप्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास, हिन्दी का मानकीकृत रूप ● ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन कौशल, फ़ेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफॉर्म्स ● हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की.बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फ़ॉन्ट्स	15

	• हिन्दी स्लाइड, पी. पी. टी, पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट, टेक्स्ट टू स्पीच, हिन्दी शॉर्टहैंड का परिचय • हिन्दी से सम्बन्धित वेबसाइट, ई.मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई.पुस्तकालय, सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएँ	
Texts / References	1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ दंगल झाल्टे 2. कामकाजी हिन्दी - डॉ कैलाश चन्द्र भाटिया 3. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ- डॉ रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 4. राष्ट्रभाषा और हिन्दी - डॉ राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 5. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारत प्रकाशन, इलाहाबाद 6. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा 7. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता - हरी बाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली	
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों कार्यालयी हिन्दी के सभी व्यावहारिक पक्षों से अवगत हो सकेंगे।	

Ability Enhancement Courses

T	P	L	C	H
✓	X	30	02	30

Course Title	**पाठ एवं संप्रेषण: कविता (AAEC 101)**
Category of Course	Ability Enhancement Course
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी की कविताओं का पाठ करने की क्षमता का संवर्द्धन करना है। कविता की आवृत्ति के माध्यम से काव्यांग विवेचन एवं कविता के घटकों से परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	कविता के प्रमुख अवयव – रस, छंद, अलंकार, नाद, बिंब, प्रतीक	10
II.	हिन्दी की प्रमुख कविताओं का पाठ एवं समीक्षा • **कबीर:** साधो देखो जग बौराना • **सूरदास:** अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल • **तुलसीदास:** रामचन्द्र कृपालु भज मन • **घनानंद:** अति सूधो सनेह को मारग है	10
III.	हिन्दी की प्रमुख कविताओं का पाठ एवं समीक्षा • **रामधारी सिंह दिनकर:** किसको नमन करूँ मैं • **नागार्जुन:** बादल को घिरते देखा है • **भवानी प्रसाद मिश्र:** सतपुड़ा के घने जंगल • **शिवमंगल सिंह सुमन:** हम पंछी उन्मुक्त गगन के	10

Texts / References	1. कविता की समझ – सुधीर रंजन सिंह, रेख्ता बुक्स 2. कविता के सम्मुख – मृत्युंजय पांडेय, रेख्ता बुक्स 3. कविता पाठ विमर्श – डॉ. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 4. कविता का परिपाठ – डॉ रामसजन पांडेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली
Learning Outcomes	कविता की समझ कविता के पाठ से जुड़ी होती है। इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से आप कविता के सम्यक् पाठ और अर्थ तक पहुँचने में समक्ष हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम से काव्यांग विवेचन एवं कविता के घटकों से भी परिचित होंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	30	02	30

Course Title	**पाठ एवं संप्रेषण : कहानी (AAEC 201)**
Category of Course	Ability Enhancement Course
Course Objectives	इस प्रश्न पत्र के माध्यम से कहानी कला के साथ लिखना-पढ़ना-कहना सुनना, बोधन और कहानी पाठ की विभिन्न शैलियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा तथा चार कहानियों के पाठ से कहानी को आत्मसात करने का कौशल विकसित किया जाएगा।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I.	**कहानी के प्रमुख तत्त्व**	10
II.	**1. पंच परमेश्वर (प्रेमचंद)** ● ग्रामीण समाज में पंचायतों की भूमिका ● पाठ संप्रेषण में वर्णन और कथोपकथन का महत्त्व ● कहानी-कला **2. हार की जीत (सुदर्शन)** ● पाठ और कथा योजना ● संप्रेषण कौशल और उद्देश्य निरूपण ● हृदय परिवर्तन का प्रेमचंद युगीन सूत्र ● शीर्षक की सार्थकता	10
III.	**1. सिक्का बदल गाया (कृष्णा सोबती)** ● पाठ ● देश विभाजन की त्रासदी और मानवीय संबंध ● विस्थापन से उत्पन्न अलगाव की पीड़ा ● कथानक और चरित्र ● कथा भाषा और संप्रेषण कौशल **2. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)** ● पाठ और कथ्य ● संप्रेषण में लोक कथा का प्रभाव ● दोहरे कथा शिल्प की भूमिका ● दांपत्य जीवन में स्त्री-पुरुष संबंधों का द्वंद्व ● 'नई कहानी' का नयापन	10

Texts / References	1. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. कहानी: नयी कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 3. आधुनिक हिंदी कहानी – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 4. हिंदी कहानी: अस्मिता की तलाश - मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला 5. हिंदी कहानी: अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 6. हिंदी कहानी वाया आलोचना - (सं.) नीरज खरे, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 7. आलोचना के रंग - नीरज खरे, साहित्य भंडार, प्रयागराज
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी यह जानेंगे कि हिन्दी कहानी अपने पाठ में अंतर्निहित संवेदना में देशकाल और यथार्थ को किस तरह संप्रेषित कर सकती है। कहानियों के निर्धारित पाठ से कहानी के कलात्मक पक्षों की वस्तुगत संप्रेषण में भूमिका को भी जान सकेंगे।

T	P	L	C	H
✓	X	30	02	30

Course Title	**पाठ एवं संप्रेषण : नाटक (AAEC 301)**
Category of Course	Ability Enhancement Course
Course Objectives	इस प्रश्न-पत्र के माध्यम से हिन्दी नाटकों के दृश्य – श्रव्य माध्यम विषयक विविध आयामों एवं बोधन की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा।

Course Content

Units	Course Content	Hr. of Teaching
I.	**नाटक के प्रमुख तत्त्व**	10
II.	**अंधेर नगरी: भारतेंदु हरिश्चंद्र** ● पाठ एवं समीक्षा ● उच्चारण ● आरोह-अवरोह, बलाघात, अंतराल ● रंग-संकेत ● पारंपरिक रंग-शैली ● सात्त्विक, आंगिक, वाचिक एवं आहार्य अभिनय का परिचय **सकुबाई : नादिरा जहीर बब्बर** ● पाठ एवं समीक्षा ● स्त्री संदर्भ ● एकल प्रस्तुति ● उच्चारण ● यथार्थवादी अभिनय पद्धति ● रंग-संकेत, रंग-युक्तियों एवं रंगमंच की अवधारणाओं का परिचय	10
III.	**बहुत बड़ा सवाल : मोहन राकेश (एकांकी)** ● कथ्य और शिल्प ● यथार्थवादी रंग – शैली ● रंगभाषा ● एकांकी की विशेषताएँ **कनुप्रिया : धर्मवीर भारती** इतिहास और समापन (विप्रलब्धा, सेतु : मैं, उसी आम के नीचे, अमंगल छाया, एक प्रश्न, शब्द: अर्थहीन, समुद्र स्वप्न और समापन) ● कविता और नाटक का अंतःसंबंध	10

	• कनुप्रिया का मिथकीय संदर्भ • कनुप्रिया का प्रेम और संघर्ष	
Texts / References	1. रंगभाषा - गिरीश रस्तोगी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली, 1999 2. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन 3. हिंदी नाटक और रंगमंच: नयी दिशाएँ, नये प्रश्न - गिरीश रस्तोगी 4. रंग कोलाज - देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन 5. अभिनय नाटक मंच - शंभुमित्र (अनुवाद - प्रतिभा अग्रवाल) हिंदी नाट्य विद्यालय 6. नाट्यानुभव - नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन 7. पहला रंग - देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन 8. रंगमंच के सिद्धांत - महेश आनंद, देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन 9. दृश्य के साथ-साथ - महेश आनंद, सूर्य प्रकाशन मंदिर	
Learning Outcomes	इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी हिन्दी नाटकों के पाठ से देशकाल और यथार्थ की समझ विकसित कर सकेंगे। नाटकों के निर्धारित पाठ से नाटक के कलात्मक पक्षों को भी जान सकेंगे।	

T	P	L	C	H
✓	X	30	02	30

Course Title	**पाठ एवं संप्रेषण : भाषण कला (AAEC 401)**
Category of Course	Ability Enhancement Course
Course Objectives	इतिहास, महापुरुषों के जीवन-आदर्श एवं ज्ञान की अन्य शाखाओं को पढ़ते एवं आत्मसात् करते हुए अभिव्यक्ति-क्षमता को विकसित करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

Course Content

Units	**Course Content**	**Hr. of Teaching**
I	● भाषण के महत्त्वपूर्ण घटक - शुद्ध उच्चारण, आंगिक भाषा, हाव-भाव, अंतराल, बलाघात, आरोह-अवरोह, पुनरावृत्ति, तन्मयता	10
II.	● भाषण के प्रकार एवं भाषण कला की सामान्य विशेषताएँ ● भाषण पूर्व तैयारी- विषय का अध्ययन, श्रोता के स्तर की जानकारी, औपचारिकताओं का ज्ञान ● आदर्श वक्ता के गुण-संबंधित विषय का मनन-चिंतन, रोचकता को बनाए रखना, वाणी-कौशल	10
III.	विश्वप्रसिद्ध भाषणों का अवलोकन एवं भाषण का अभ्यास ● **स्वामी विवेकानंद:** शिकागो भाषण ● **बाल गंगाधर तिलक:** स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है ● **सुभाषचंद्र बोस:** तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा ● **महादेवी वर्मा:** करुणा का संदेशवाहक ● **नेल्सन मंडेला:** मैं मरने के लिए तैयार हूँ ● **महामना मदन मोहन मालवीय:** काशी हिंदू विश्वविद्यालय के दीक्षांत-समारोह के अवसर पर 14 दिसंबर, 1929 को दिया गया भाषण ● **महात्मा गाँधी:** काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्थापना-दिवस के अवसर पर दिया गया भाषण	10

Texts / References	1. भाषण सीखने के सिद्धांत और कला – डॉ. विष्णु के. आचार्य 'गुरुदेवश्री' विष्णु-विमल पब्लिकेशन्स, वृंदावन 2. अच्छा बोलने की कला और कामयाबी - डेल कारनेगी, प्रभात पेपरबैक्स, दिल्ली
Learning Outcomes	आधुनिक जीवन-परिवेश और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में भाषण कला का महत्त्व सर्वाधिक है। इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी भाषण कला की बारीकियों से परिचित हो सकेंगे, इससे उनके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

Skill Enhancement Courses

T	P	L	C	H
√	X	45	03	45

Course Title	**भाषा कौशल (ASEC 101)**	
Category of Course	Skill Enhancement Course	
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता से परिचित हो सकेंगे और उनमें भाव तथा विचारों के प्रभावी प्रस्तुतिकरण की क्षमता का विकास होगा।	
Course Content		
Units	**Course Content**	**Hr. Of Teaching**
I	**संप्रेषण कौशल** संप्रेषण: परिभाषा, अवधारणा और महत्त्व संप्रेषण के तत्त्व उच्चारण कौशल तथा आंगिक चेष्टाएं	15
II	**लेखन कौशल** पत्र लेखन, रिपोर्ट लेखन, फीचर लेखन संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी	15
III	**संवाद कौशल** परिभाषा, अवधारणा और महत्त्व साक्षात्कार, संबोधन, अभिवादन, परिचर्चा, भाषण	15
Texts/ Refrences	1. हिन्दी भाषा और संप्रेषण- बलवीर कुन्द्रा 2. भाषा और संप्रेषण- रामप्रकाश प्रजापति 3. भाषा शिक्षण- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिन्दी भाषा : संरचना और प्रयोग, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली 5. व्यावसायिक हिन्दी - भोलनाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली	
Learning outcomes	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद छात्रों के भाषिक कौशल का विकास होगा और उनकी अभिव्यक्ति क्षमता में गुणात्मक सुधार होगा।	

T	P	L	C	H
√	X	45	03	45

Course Title	**हिंदी भाषा और विज्ञापन (ASEC 201)**	
Category of Course	Skill Enhancement Course	
Course Objectives	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र हिंदी भाषा कौशल का उपयोग हिंदी में विज्ञापन के निर्माण और लेखन के लिए कैसे करेंगे, इसके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। वर्तमान समय में जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन का उपयोग काफी होता है। इससे विद्यार्थियों में हिंदी में विज्ञापन लेखन के साथ-साथ बाज़ार और वाणिज्य की समझ भी विकसित होगी।	
Course Content		
Units	**Course Content**	**Hr. Of Teaching**
I	**विज्ञापन : स्वरूप और अवधारणा** विज्ञापन : अर्थ और परिभाषा विज्ञापन : महत्त्व और उद्देश्य विज्ञापन : ब्रांड निर्माण, विपणन और नवीन सन्दर्भ	15
II	**हिंदी भाषा और विज्ञापन** हिंदी विज्ञापन का संक्षिप्त इतिहास विज्ञापन की भाषा का स्वरूप विज्ञापन की भाषा के विविध पक्ष : सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, सांकेतिक निर्देश	15
III	**विज्ञापन माध्यम : विविध आयाम** विज्ञापन माध्यमों का सामान्य परिचय विज्ञापन माध्यमों का चयन विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन निर्माण का अभ्यास	15
Texts/ Refrences	1. विज्ञापन की दुनिया - डॉ कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली 2. जनसम्पर्क, प्रचार एवं विज्ञापन - डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर 3. जनसंचार - डॉ हरीशअरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, दिल्ली 4. डिजिटल युग की मासकल्चर और विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली	
Learning outcomes	इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन और विश्लेषण को समझेंगे। इससे उनमें रचनात्मक कौशल का भी विकास होगा। इसके अध्ययन के पश्चात् उनमें विज्ञापन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता आएगी।	

T	P	L	C	H
√	X	45	03	45

Course Title	**व्यावहारिक हिंदी (ASEC 301)**	
Category of Course	Skill Enhancement Course	
Course Objectives	1. हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग से परिचित हो सकेंगे | 2. दैनिक जीवन के कार्यों को संपादित करते हेतु ज़रूरत में आने वाले प्रशासनिक पदबंधों से परिचित हो सकेंगे | 3. हिंदी के प्रशासनिक प्रयोग में दक्ष हो सकेंगे |	
Course Content		
Units	**Course Content**	**Hr. Of Teaching**
I	**प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप** कार्यालयी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति **टिप्पण एवं आलेखन** टिप्पण : सामान्य नियम एवं प्रकार, टिप्पण एवं टिप्पणी में अंतर आलेखन : सामान्य विशेषताएँ	15
II	ईमेल, ब्लॉग, अनुच्छेद, निबंध, अपठित गद्यांश	15
III	**अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग** अनुवाद : परिभाषा, प्रकार एवं सिद्धांत अपठित गद्यांशों का हिंदी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद	15

Texts/ Refrences	1. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. व्यावहारिक हिंदी, रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिंदी का व्यावहारिक रूप, विनय मोहन शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
Learning outcomes	1. हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग से परिचित होंगे | 2. हिंदी के प्रशासनिक प्रयोग में दक्षता आएगी	